● वर्ष-4
● अंक-162
रायपुर, शनिवार
15 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

महाकुंभ जाएंगे राहुल गांधी और प्रियंका?

नईदिल्ली। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ अपने समापन पर है। 50 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम में डुबकी लगा लगी है। हर वर्ग के लोग यहां पहुंच रहे हैं। ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बहन सांसद प्रियंका गांधी महाकुंभ में डुबकी लगाने को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी महाकुंभ जा सकते हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस को तैयार किया जा रहा है। हालांकि, वो किस तारीख को प्रयागराज पहुंचेंगे, इसको लेकर फैसला नहीं हो सका है।

इसी को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि अजय राय हमारे नेता पहले भी कुंभ में गए थे। 2019 में प्रियंका जी ने अर्धकुंभ का दौरा किया था। हम इस बार भी महाकुंभ में जाएंगे। बताया ये भी जा रहा है कि राहुल गांधी पहले 4 फरवरी को

महाकुंभ जाने वाले थे लेकिन संसदीय कार्रवाई की कारण उनका दौरा नहीं हो पाया था। महाकुंभ के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर बुधवार को शाम छह बजे तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। सरकार ने इस दौरान स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। बुधवार तड़के सुबह से ही चारों दिशाओं से महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों समेत श्रद्धालुओं का गंगा और संगम घाट की ओर आगमन जारी है।

मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को शाम छह बजे तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने संगम और गंगा में स्नान किया। महाकुंभ की शुरुआत से 13 जनवरी से अभी तक 48.25 करोड़ से अधिक लोग यहां स्नान कर चुके हैं। सभी कल्पवासियों से यातायात नियमों का पालन करने और केवल अधिकृत पार्किंग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह चार बजे से ही लखनऊ में अपने आधिकारिक आवास में बने वार रूम से मेला क्षेत्र की निगरानी की।

महाकुंभ में यातायात व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान जारी है। शुक्रवार को यहां पर यातायात की व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए अधिकारी भी सड़क पर उतरें। महाकुंभ में शुक्रवार होने के कारण भीड़ बढ़ने लगी है। कल शनिवार और फिर रविवार है। ऐसे में प्रशासन का अंदेशा है कि सप्ताह के आखिरी में एक बार फिर भीड़ बढ़ सकती है। इसको देखते हुए इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी लखनऊ में

मीटिंग की। महाकुंभ में यातायात व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं सड़क पर उतरें। प्रयागराज महाकुंभ नगर, प्रयागराज जनपद, अयोध्या, वाराणसी और आसपास के सभी जिलों में कहीं भी सड़क पर जाम न लगे। हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां जाम होगा, वहां के अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

दरअसल, प्रयागराज में कुंभ जाने वाले श्रद्धालु अयोध्या भी जाना चाहते हैं। इसे लेकर जाम के हालात बन रहे हैं। अमेठी, सुल्तानपुर और अंबेडकर नगर में जाम लग रहा है। कई बाहरी राज्यों की गाड़ियां जाम में फंस रही हैं। उधर, महाकुंभ में सफाई कर्मियों की तरफ से एक साथ घाटों की सफाई का अभियान चलाया जाएगा।

महाकुंभ में शुक्रवार को 40.02 लाख लोगों ने स्नान किया है। वहीं, 13 फरवरी से आज तक 49.14 करोड़ लोगों ने स्नान किया है। शुक्रवार को भी कई अतिविशिष्ट लोग त्रिवेणी में स्नान के लिए आएंगे। कुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं के अलावा देश के कई वीवीआईपी ने भी आस्था की डुबकी लगाई है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद समेत कई बड़े सियासी दिग्गज यहां स्नान कर चुके हैं।

भाजपा के नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा शुरू

2029 की तैयारी को लेकर मोदी नया धमाका करने जा रहे

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों और फिर नए सरकार के गठन के बाद विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो गए हैं। अब बीजेपी नए अध्यक्ष की ताजपोशी की तैयारी कर रही है। बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा बीते चार सालों से अधिक समय से पार्टी के अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। पिछले साल ही उनका कार्यकाल खत्म हो चुका था। लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब हाल फिलहाल में किसी राज्य में विधानसभा चुनाव भी नहीं होने हैं। ऐसे में पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा इस पर मंथन जारी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मार्च के पहले हफ्ते तक शुरू हो जाएगी। होली (14 मार्च) से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। फरवरी के आखिरी तक 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा। भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी कराया जा सकता है जब देश के कम से कम आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हो जाएं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक और कार्यकाल देने की जगह पार्टी नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेगी। हालांकि, भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कोई व्यक्ति लगातार दो टर्म के लिए चुना जा

सकता है। इस लिहाज से नड्डा तकनीकी रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की अहर्ता रखते हैं।

इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बनाने का विचार है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है। 20 साल से वहां से कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना है। 2002-2004 के बीच वेंकैया नायडू (आंध्र) आखिरी थे। इस पर आरएसएस व आनुषंगिक संगठनों से भी चर्चा हो चुकी है।

मौजूदा राष्ट्रपति पूर्वी भारत से आती हैं। उप राष्ट्रपति पश्चिम भारत से। प्रधानमंत्री उत्तर भारत (वाराणसी के सांसद) से चुने गए हैं। ऐसे में दक्षिण भारत के किसी नेता को जिम्मेदारी मिलने की संभावना अधिक है। फिलहाल बीजेपी के दक्षिण के दिग्गज नेताओं में प्रहलाद जोशी, एल मुरुगन, जी किशन रेड्डी, के अन्नामलाई, के ईश्वरप्पा, निर्मला सीतारमण शामिल हैं। यदि संगठन द्वारा निर्मला सीतारमण को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना जाता है तो, ये इस बार का पेश किया गया उनका अंतिम विन बजट भी हो सकता। उल्लेखनीय है इस बार के बजट में आयकर सीमा में बड़ी छूट दी गई।

महाकुंभ में 50 करोड़ डुबकी

केंद्र से 3324 करोड़ की वार्षिक योजना स्वीकृत

नई दिल्ली /रायपुर। छत्तीसगढ़ में नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने से राज्य का सर्वांगीण विकास होगा और यह आत्मनिर्भर भारत अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह कहना है रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल का जोछत्तीसगढ़ में नेशनल हाईवे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, सुधार और सुदृढ़ीकरण को लेकर लोकसभा में सवाल उठाया।

जिसपर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी ने जानकारी दी है कि, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने 3324 करोड़ रुपये

की वार्षिक योजना को अंतिम रूप दिया है। श्री गडकरी ने बताया कि, छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र सरकार को 1354 करोड़ रुपये की लागत से 141 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास हेतु 16 प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। इनमें से 365.293 करोड़ रुपये की लागत वाले 30.3 किलोमीटर की कुल लंबाई के 5 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जबकि शेष प्रस्तावों की जांच जारी है।वर्तमान में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों का घनत्व 26.78 किमी प्रति 1000 वर्ग किमी है, जबकि पूरे देश में यह औसतन 44.47 किमी प्रति 1000 वर्ग किमी है। राज्य में कुल 3607 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, जिनमें 1129 किमी चार लेन, 93 किमी चार से अधिक, 1282 किमी पेव्ड शोल्डर सहित 2 लेन, 853.84 किमी दो लेन और 249 किमी 2 लेन से कम की श्रेणी में आते हैं।

राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाता है और इन्हें यातायात आवश्यकताओं के आधार पर पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे छत्तीसगढ़ में सड़क अवसंरचना को मजबूती मिलेगी और राज्य की आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सड़कें न केवल राज्य के भीतर बल्कि पूरे देश के लिए आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रमुख समाचार

पीएम मोदी-राहुल गांधी करेंगे नए चुनाव आयुक्त का चयन

नईदिल्ली। भारत के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम को अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी की अगुवाई वाली चयन समिति अगले सप्ताह बैठक करेगी। वर्तमान सीईसी राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से पहले, पैनल एक खोज समिति द्वारा चुने गए उम्मीदवारों में से एक नाम की सिफारिश

करेगा। चयन समिति में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। 18 फरवरी को मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से पहले, पैनल बैठक करेगा और एक नाम को अंतिम रूप देगा। इसके बाद राष्ट्रपति सिफारिश के आधार पर अगले सीईसी की नियुक्ति करेंगे। पारंपरिक परंपराओं के अनुसार, पिछले साल एक नया कानून लागू होने से पहले, सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को पदोन्नत किया गया था। सीईसी और ईसी की नियुक्तियों पर नए कानून के अनुसार, एक खोज समिति पदों पर नियुक्ति के लिए प्रधान मंत्री के नेतृत्व वाले पैनल द्वारा विचार करने के लिए पांच सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों को शॉर्टलिस्ट करती है।

24 फरवरी को बिहार का दौरा करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर का दौरा करने वाले हैं। अपनी यात्रा के दौरान, वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे और एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। यह आयोजन हवाईअड्डा मैदान में होगा, जिसमें

भागलपुर और आसपास के 13 जिलों के किसानों सहित पांच लाख से अधिक लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहेंगे, जिससे इस अवसर का राजनीतिक महत्व बढ़ जाएगा। यात्रा की तैयारी को लेकर बीजेपी के नेताओं और पदाधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक भागलपुर टाउन हॉल में हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिहार के मंत्री संतोष सिंह, जनक राम और सुरेंद्र मेहता के साथ-साथ प्रदेश महासचिव मिथिलेश तिवारी, ललन मंडल और 13 जिलों के कोर कमेटी के सदस्य शामिल हुए।

शिंदे गुट से सांसदों की मेल-मुलाकातों से डरे उद्धव ठाकरे

मुंबई। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है। 11 फरवरी को, जब पवार ने शिंदे को सम्मानित किया, तो मुंबई उत्तर पूर्व से यूबीटी सेना सांसद संजय दीना पाटिल दिल्ली में कार्यक्रम में

मौजूद थे। राकांपा-सपा प्रमुख शरद पवार द्वारा शिवसेना को तोड़ने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने पर निराशा व्यक्त करने के बाद, उद्धव ठाकरे सेना गुट का नेतृत्व अपने स्वयं के उन सांसदों से भी नाराज हैं जो शिंदे और उनके गुट के साथ मेलजोल रखते रहे हैं। यह पता चलने के बाद कि यूबीटी सेना के कई सांसद शिंदे और अन्य लोगों से मिल रहे हैं, और यहां तक ??कि उस कार्यक्रम में भी मौजूद थे, जहां शिंदे को पवार ने सम्मानित किया था, यूबीटी सेना के आदित्य ठाकरे ने पार्टी सांसदों से शिंदे खेमे के सांसदों के साथ मेल-मिलाप नहीं करने को कहा है। आदित्य ने जाहिर तौर पर सांसदों से शिंदे की शिवसेना से रात्रिभोज निमंत्रण स्वीकार करने से पहले पार्टी नेतृत्व की पूर्व मंजूरी लेने के लिए कहा है।

किसान नेताओं के साथ बैठक में नेतृत्व करेंगे प्रह्लाद जोशी

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के नेतृत्व में केंद्रीय टीम उन किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगी जो फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत अन्य मांग कर रहे हैं। इस बैठक में उनकी मांगों पर वार्ता

की जाएगी। इस बैठक में किसानों का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री जोशी केंद्रीय टीम का नेतृत्व करेंगे। सूत्रों के अनुसार, पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां भी उपस्थित रहेंगे। यह बैठक चंडीगढ़ में महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, पंजाब में आयोजित की जाएगी। यह कदम अन्य मांगों के अलावा एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर किसानों द्वारा एक साल से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बाद उठाया गया है। किसानों के अनुसार, आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बैठक में भाग लेगा। अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि वह भी बैठक में शामिल होंगे।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से नाना पटोले की छुट्टी

मुंबई। हर्षवर्द्धन सपकाल को अपने नए महाराष्ट्र प्रमुख के रूप में चुनते हुए, कांग्रेस ने एक ऐसे नेता को चुना है जो अपने पूर्ववर्ती नाना पटोले से बिल्कुल अलग है। सपकाल एक विनम्र, अपेक्षाकृत अज्ञात पंचायती राज कार्यकर्ता हैं जिनकी

व्यापक अपील कम है, माना जाता है कि उन्हें उनकी वैचारिक मान्यताओं के लिए अधिक चुना गया है जो हाईकमान के साथ संरेखित हैं। उनकी ताकत को देखते हुए कांग्रेस उन्हें दरकिनार नहीं करेगी और उन्हें अब राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है। महाराष्ट्र पीसीसी प्रमुख के रूप में अपने चार वर्षों के दौरान, पटोले की स्पष्टवादिता के कारण उन्हें पार्टी के भीतर या बाहर कुछ दोस्त मिले। पार्टी के कई नेताओं ने उनके निरंकुश तरीकों, दूसरे नेताओं को विश्वास में न लेने के खिलाफ एक से अधिक बार शीर्ष नेतृत्व से शिकायत की थी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इन सबके बावजूद, राहुल गांधी द्वारा उन पर दिए गए विश्वास के कारण वह पदानुक्रम में शीर्ष पर बने रहे। इसलिए, अब जब उन्हें राज्य में कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है, तो उन्हें केंद्र में जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

काशी तमिल संगमम 3.0: सांस्कृतिक एकता का दिव्य संगम

कृष्णमोहन झा

काशी तमिल संगमम 3.0 के संस्करण का मुख्य विषय महान ऋषि अगस्त्य होंगे, जबकि महाकुंभ और श्री अयोध्या धाम इसकी पृष्ठभूमि होंगे। यह आयोजन एक दिव्य अनुभव प्रदान करेगा और तमिलनाडु तथा काशी - हमारी सभ्यता और संस्कृति के दो शाश्वत केंद्रों को और करीब लाएगा।

काशी तमिल संगमम 3.0 ऋषि अगस्त्य के प्रति श्रद्धा अर्पित करने के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। यह आयोजन न केवल तमिलनाडु और काशी के बीच संबंधों को पुनर्स्थापित करेगा बल्कि भारत के समग्र सांस्कृतिक और ज्ञान प्रणाली को भी एक नई दिशा देगा।

काशी तमिल संगमम 3.0 के दौरान काशी में ऋषि अगस्त्य के विभिन्न पहलुओं, विशेष रूप से स्वास्थ्य, दर्शन, विज्ञान, भाषा विज्ञान, साहित्य, राजनीति, संस्कृति, कला और तमिलनाडु के लिए उनके योगदान पर प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशालाएं और पुस्तक विमोचन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऋषि अगस्त्य , जिन्हें तमिल और संपूर्ण भारतीय संस्कृति में महान संत के रूप में जाना जाता है, भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक परंपरा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ऋषियों में से एक थे। वे न केवल संस्कृत बल्कि तमिल भाषा के भी अग्रणी विद्वान माने जाते हैं। उनके योगदान में आयुर्वेद, सिद्ध चिकित्सा, योग, भाषा विज्ञान, साहित्य, दर्शन, राजनीति और विज्ञान का समावेश है। काशी तमिल संगमम 3.0 के दौरान ऋषि अगस्त्य से संबंधित विभिन्न

पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। स्वास्थ्य और चिकित्सा सिद्ध चिकित्सा और आयुर्वेद में महर्षि अगस्त्य का योगदान। दर्शन और आध्यात्मिकता वेद, उपनिषद और तंत्र शास्त्र में उनकी भूमिका। भाषा और साहित्य संस्कृत और तमिल भाषा को समृद्ध करने में उनका योगदान। राजनीति और समाजशास्त्र भारतीय समाज में उनके विचारों का प्रभाव। कला और संस्कृति संगीत, नृत्य और वास्तुकला पर उनका प्रभाव।

इस वर्ष, सरकार ने तमिलनाडु से पाँच श्रेणियों/समूहों के अंतर्गत लगभग 1000 प्रतिनिधियों को लाने का निर्णय लिया है- छात्र, शिक्षक और लेखक, किसान और कारीगर (विश्वकर्मा श्रेणियाँ), पेशेवर और छोटे उद्यमी, महिलाएँ (एसएचजी, मुद्रा ऋण लाभार्थी, डीबीएचपीएस प्रचारक), स्टार्ट-अप, इनोवेशन, एडु-टेक, अनुसंधान.

इसके अतिरिक्त, विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत तमिल मूल के लगभग 200 छात्रों का एक विशेष समूह भी इस आयोजन का हिस्सा बनेगा। सभी श्रेणियों में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। प्रतिनिधियों के दौरे की अवधि 8 दिन होगी (यात्रा के लिए 4 दिन और काशी में 4 दिन)। पहला समूह तमिलनाडु से रवाना हुआ और अंतिम समूह 26 फरवरी 2025 को वापस लौटेगा।

काशी तमिल संगमम 3.0 का उद्देश्य देश के दो सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन शिक्षण केंद्र - तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों को फिर से खोजना, पुष्टि करना और उनका जश्न मनाना है। इस आयोजन का नेतृत्व भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय कर रहा है और इसमें संस्कृति, कपड़ा, रेलवे, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयों तथा उत्तर प्रदेश सरकार का सहयोग शामिल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्वानों, छात्रों, दार्शनिकों, व्यापारियों, कारीगरों, कलाकारों और अन्य क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर लाया जाएगा, जिससे वे अपने ज्ञान, संस्कृति और सर्वोत्तम परंपराओं को साझा कर सकें।

इसके अतिरिक्त, यह कार्यक्रम युवाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराने और सांस्कृतिक एकता का अनुभव कराने का अवसर प्रदान करेगा। यह प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के भारतीय ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक ज्ञान प्रणाली के साथ एकीकृत करने की अवधारणा को साकार करने के अनुरूप है।

सरकार ने इससे पहले दो बार काशी तमिल संगमम का आयोजन किया है- 2022 - यह आयोजन एक महीने तक चला था और इसमें भारी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 2023 - यह आयोजन एक पखवाड़े तक चला था, जिसमें तमिलनाडु से लगभग 4000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। दोनों संस्करणों में तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी। आईआईटी मद्रास प्रेषक संस्थान और बीएचयू प्राप्तकर्ता संस्थान रहेगा, जैसा कि पिछले संस्करणों में भी था।

नगरीय निकाय चुनाव रिजल्ट, 6 राउंड में होगी मतगणना

■ दोपहर तक साफ हो जाएगी पूरी तस्वीर

कोरबा। नगरीय निकाय चुनाव के तहत 11 फरवरी को मतदान के बाद अब जिले के सभी 6 निकायों में मतगणना की तैयारी तेज कर दी गई है। प्रदेश के सभी निकायों के वोटों की गिनती 15 फरवरी को सुबह 9 बजे से शुरू होगी। कोरबा जिले के 6 निकायों में नगर पालिक निगम कोरबा, नगर पालिका परिषद दीपका, नगर पालिका परिषद कटघोरा, नगर पालिका परिषद बांकी मोगरा, नगर पंचायत पाली और नगर पंचायत छुरीकला शामिल हैं।

कोरबा जिले में मतगणना स्थल निर्धारित कर दिया गया है। नगर पालिक निगम कोरबा, नगर पालिका परिषद दीपका और नगर पालिका परिषद बांकी मोगरा के वोटों की गिनती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आई टी।) कॉलेज झगराहा में होगी। जबकि नगर पालिका परिषद कटघोरा और नगर पंचायत छुरीकला की काउंटिंग शासकीय मुकुटधर पाण्डेय महाविद्यालय कटघोरा में होगी। नगर पंचायत पाली की मतगणना मंगल भवन नगर पंचायत पाली में ही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग से नियुक्त सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में सभी 6 नगरीय निकायों में मतगणना के लिए 6 रिटर्निंग आफिसर, 16 सहायक रिटर्निंग आफिसर, 196 गणना पर्यवेक्षक और 196 गणना सहायक नियुक्त किये गये हैं। सबसे अधिक उत्सुकता नगर पालिका निगम कोरबा के पार्षदों और महापौर की सीट को लेकर बनी हुई है।

सबसे अधिक प्रतीक्षा नगर निगम कोरबा के परिणाम को लेकर हो रही है। कोरबा नगर निगम क्षेत्र में कुल 67 वार्ड हैं। मतगणना के लिए इतने ही टेबल भी लगाए हैं। ईवीएम की मतगणना के लिए 4 कक्ष में वार्डवार 67 टेबल लगाए गए हैं। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा डाक मतपत्रों की गणना के लिए अलग से एक कमरे में 7 टेबल लगाए गए हैं।

माना जा रहा है कि पार्षदों के परिणाम जल्दी आएंगे, जबकि अंत में महापौर के चुनाव का रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि दोपहर तक पूरी तस्वीर साफ हो सकती है। एक राउंड में आधे घंटे से 45 मिनट का समय लगता है।

इसी तरह नगर पालिक परिषद दीपका में मतगणना के लिए 21 टेबल, बांकीमोंगरा में वार्डवार 30 टेबल, कटघोरा में वार्डवार 15 टेबल, नगर पंचायत छुरीकला में 01 कक्ष में वार्डवार 15 टेबल, नगर पंचायत पाली में 01 कक्ष में वार्डवार 15 टेबल लगाई जाएगी।

रिटर्निंग ऑफिसर मनोज कुमार लहरे ने बताया नगरीय निकायों के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। 15 फरवरी को सुबह 8 बजे से ही कर्मचारियों को प्रवेश मिलने लगेगा। हर वार्ड के लिए एक टेबल लगाया गया है। वार्डवार टेबल लगाए गए हैं। एक बूथ में अधिकतम 6 बूथ हैं। इसलिए 6 राउंड में मतगणना पूरी कर ली जाएगी। हमारी तरफ से तैयारी को अंतिम रूप दे दिया गया है।

स्ट्रांग रूम को निर्धारित समय पर प्रेक्षक, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी और राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा, जिसकी वीडियोग्राफी की जाएगी। रिटर्निंग ऑफिसर सबसे पहले डाक मतपत्र में महापौर/अध्यक्ष पद के लिए मिले निर्वाचन कर्तव्य मतपत्रों की गणना करेंगे। जिसके बाद एक-एक कर सभी वार्डों के लिए मिले निर्वाचन कर्तव्य मत पत्रों की गणना की जाएगी।

ईवीएम पर कांग्रेस की कड़ी निगरानी

अध्यक्ष और पार्षद प्रत्याशी स्ट्रांग रूम के बाहर कर रहे रतजगा

जशपुर। छत्तीसगढ़ में ईवीएम (श्रडूरू) मशीन को लेकर सियासी घमासान तेज है। कांग्रेस लगातार सत्ता पक्ष पर हमलावर है और ईवीएम में छेड़छाड़ की आशंका जता रहे है। इसी कड़ी में जशपुर नगर पालिका चुनाव के बाद से कांग्रेस प्रत्याशी स्ट्रांग रूम के बाहर पहरा दे रहे हैं।

जशपुर नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद प्रत्याशी खुद स्ट्रांग रूम के बाहर बिस्तर लगाकर रातभर निगरानी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि ईवीएम में गड़बड़ी की जा सकती है, इसलिए वे खुद पहरा देकर निष्पक्षता सुनिश्चित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 10 प्रमुख नगर निगम अंबिकापुर, कोरबा, चिरमिरी, जगदलपुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़ और रायपुर के अलावा 49 नगर पालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में 11 फरवरी को वोटिंग हुई। चुनाव के नतीजे आज यानी 15 फरवरी को घोषित किये जाएंगे। 33 जिलों के नगरपालिकाओं में कुल 72.19% मतदान हुआ। प्रदेश भर में हुए मतदान में पुरुषों का प्रतिशत 73.07%, महिलाओं का 71.66% और तृतीय लिंग का 19.75% दर्ज किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार कुछ जिलों में मतदान का प्रतिशत अत्यधिक था, जबकि बिलासपुर, रायपुर जैसे कुछ जिलों में यह काफी कम था।

पार्टी प्रत्याशी के विरुद्ध किया प्रचार, कांग्रेस ने 6 साल के लिए किया निष्कासित

बिलासपुर। वार्ड 35 नागोराव शेष नगर से कांग्रेस प्रत्याशी आदेश पांडेय की शिकायत के बाद शहर ज़िला कांग्रेस के अध्यक्ष विजय पांडेय ने कांग्रेसी की पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) सीमा पांडेय,आईटी सेल राहुल ठाकुर और लक्ष्मी सोनी को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। क्योंकि उन्होंने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी का प्रचार प्रसार करने के बजार उनके विरुद्ध प्रचार प्रसार कर रहे थे।

दुर्ग नगर निगम के इतिहास में पहली बार भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने

निर्दलीय में नहीं बंटेगा वोट, दो चुनावों में दूसरे नंबर पर रहे थे निर्दलीय

दुर्ग। शिवनाथ नदी के किनारे बसे दुर्ग को शहर के व्यवस्थित विकास के लिए 1981 में नगर पालिक निगम का दर्जा दिया गया। साल 1981 में नगर निगम बनने से लेकर आज तक दुर्ग नगर निगम का हर चुनाव अपने आप में खास होता रहा है, लेकिन इस बार यह चुनाव और भी खास हो चुका है, क्योंकि इस बार सिर्फ दो प्रत्याशी मैदान पर हैं। हर बार की तरह नगर निगम दुर्ग पर शहर सरकार के लिए त्रिकोणीय मुकाबला होता था, लेकिन इस बार कोई निर्दलीय प्रत्याशी मैदान पर नहीं है। यानी इस बार भाजपा-कांग्रेस में से कोई एक पार्टी का महापौर बनेगा। बता दें कि दो बार के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी कांग्रेस को पीछे कर दूसरे नंबर पर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों को रोकने भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने पूरा दमखम लगा दिया था। इसके चलते एक भी निर्दलीय प्रत्याशी नगर निगम दुर्ग के महापौर के लिए सामने नहीं आया। इससे भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों का वोट बंटने से बच गया। भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में महापौर का अप्रत्यक्ष चुनाव हुआ। इस नियम को बदलते हुए वर्तमान साय सरकार ने प्रत्यक्ष चुनाव और ईव्हीएम को लागू कराया है। दुर्ग शहर में होने वाले नगर निगम चुनाव को समझना है तो इसके इतिहास को जानना जरूरी है।

1981 में दुर्ग को नगर निगम का दर्जा दिया गया। यह वह दौर था जब कांग्रेस दुर्ग को अपना गढ़ बना चुकी थी, क्योंकि यहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और दुर्ग के पहले सांसद वासुदेव श्रीधर किरोलीकर के बाद दुर्ग के दूसरे सांसद मोहन बाकलीवाल बने। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चाणक्य कहे जाने वाले वासुदेव चंद्राकर, सांसद चंदूलाल चंद्राकर और मुख्यमंत्री और राज्यपाल रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व। मोतीलाल वोरा जैसे नेता मध्यप्रदेश कांग्रेस में अपनी पैठ रखने वाले नेताओं का संगठन था। वहीं भाजपा और जनसंघ के कार्यकर्ता डॉ। वामन वासुदेव पाटणकर, दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल, धनराज देशलहरा, बीसे यादव (स्व। हेमचंद यादव के भाई), सांसद ताराचंद साहू, नंदू परिहार, महेश गुप्ता धीरे-धीरे दुर्ग में जनसंघ के बाद भाजपा को मजबूत करने में लगे थे।

इस बार भाजपा से अलका और कांग्रेस से प्रेमलता आमने-सामने

साल 2018 के चुनाव में समीकरण बदला और राज्य में सरकार बदल गई। राज्य में सरकार बदलते ही फिर से अप्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत हो गई, जिसमें पार्षदों के बीच से महापौर प्रत्याशी चुना गया। इसमें दुर्ग के वार्ड 43 से आने वाले और विधायक अरुण वोरा के करीबी धीरज बाकलीवाल को महापौर बनाया गया। साल 2023 में फिर से भाजपा की सरकार आने के बाद साय सरकार ने प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की, जिसमें दुर्गा नगर निगम एक बार फिर ओबीसी महिला के लिए आरक्षित हो गया। भाजपा ने दुर्ग जिला भाजपा की उपाध्यक्ष अलका बाघमार तो कांग्रेस ने प्रेम लता साहू को अपना प्रत्याशी बनाया है, लेकिन इस बार एक भी निर्दलीय प्रत्याशी मैदान पर नहीं है। यानी जनता सीधे कांग्रेस और भाजपा के मेयर प्रत्याशियों को वोट किया है। यानी अब 15 फरवरी को ईवीएम मशीन के खुलने के बाद ही दुर्ग नगर निगम के अगले मेयर का नाम सामने होगा।

वनों को अग्नि से सुरक्षा संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला

बीजापुर। नवीन तेंदूपत्ता नीति के तहत तेंदूपत्ता शाखकर्तन एवं वनों को अग्नि से सुरक्षा, सीजन - 2025 से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज शुक्रवार को बांसागार डिपो, बीजापुर में किया गया। कार्यक्रम में आरसी दुग्गा मुख्य वनसंरक्षक, जगदलपुर वृत्त, संबित मिश्रा कलेक्टर बीजापुर, संदीप बलगा उप निदेशक इंद्रावती टाईगर रिजर्व बीजापुर, एवं प्रभारी वनमंडलाधिकारी, बीजापुर वनमंडल बीजापुर, हेमंत रमेश नंदनवार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बीजापुर, राजेश चौहान, सेकेण्ड इन कमांड सीआरपीएफ बीजापुर, शरद जायसवाल, डीएसपी बीजापुर, समस्त बीजापुर वनमंडल एवं इंद्रावती टाईगर रिजर्व बीजापुर के उपवनमंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी एवं कर्मचारी, उप प्रबंध संचालक, जिला यूनियन बीजापुर, प्रबंधक व फड़मुंशी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संदीप बलगा उप निदेशक इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर एवं प्रभारी वनमंडलाधिकारी, बीजापुर वनमवडल बीजापुर द्वारा बीजापुर जिले के वनों में लगने वाले आग के संबंध में विस्तृत में जानकारी दी गई। एवं स्थानीय स्तर व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुये वनों में लगने वाली आग को बुझाने हेतु पूरी जिम्मेदारी से कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया। कलेक्टर संबित मिश्रा ने वनों को आग से बचाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग देने एवं स्थानीय स्तर पर सरपंच, पंच एवं अन्य गांव प्रमुखों को जानकारी प्रदाय करते हुए उनका पूरा सहयोग जिला पंचायत के माध्यम से लेने हेतु निर्देश दिये। राजेश चौहान, सेकण्ड इन कमांड सीआरपीएफ बीजापुर द्वारा अग्नि की दुर्घटना रोकने हेतु सीआरपीएफ के तरफ से हर तरह का सहयोग प्रदान किये जाने के संबंध में जानकारी दी गई।

रेलवे सुविधाओं को बढ़ाने रेलमंत्री से सांसद तोखन ने की मांग

बिलासपुर। केंद्रीय राज्यमंत्री और बिलासपुर सांसद तोखन साहू ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ को रेलवे के लिए ऐतिहासिक बजट आवंटन देने पर आभार व्यक्त किया क्योंकि इस बार छत्तीसगढ़ को रेलवे क्षेत्र में 6,925 रुपये करोड़ का बजट मिला है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट रुपये 311 करोड़ से 22 गुना अधिक है। इस अवसर पर तोखन साहू ने बिलासपुर संसदीय क्षेत्र में रेलवे सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं।

उन्होंने भनवारटंक रेलवे स्टेशन के पहले मरही माता मंदिर के पास अंडरब्रिज के निर्माण, सल्का-मजगांव पहुंच मार्ग पर अंडरब्रिज निर्माण, नवागांव (सल्का) से ढेलुवापुर पहुंच मार्ग पर अंडरब्रिज निर्माण और जयराम नगर (आजाद मोहल्ले) में अंडरब्रिज निर्माण की मांग की। इसके अलावा, कोटा रेलवे स्टेशन के आगे मां महामाया की नगरी रतनपुर के लिए ओवरब्रिज निर्माण और लंबे समय से अधूरे पड़े जयराम नगर ओवरब्रिज को शीघ्र पूरा करने की मांग रखी।

उन्होंने ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी अपनी बात रखी और जयराम नगर स्टेशन पर बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस और कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की। इसके साथ ही, बिल्हा स्टेशन से गुजरने वाली सारनाथ एक्सप्रेस, कुर्ला एक्सप्रेस, अंबिकापुर एक्सप्रेस, इंटरसिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, लिंक एक्सप्रेस और शिवनाथ एक्सप्रेस का ठहराव पुनः शुरू करने की अपील की। कोविड-19 से पहले ये ट्रेनें बिल्हा स्टेशन पर रुकती थीं, लेकिन अब इनका ठहराव बंद कर दिया गया है, जिससे स्थानीय यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। उन्होंने रेल मंत्री को बताया कि बिल्हा नगर प्रदेश का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, जहां 50 से अधिक राइस मिलें, 5 पोहा मिलें, 15 डोलोमाइट खदानें और भारतीय खाद्य निगम का गोदाम स्थित है। इससे रेलवे को भी अच्छी आय होती है, इसलिए यहां यात्री ट्रेनों के ठहराव को बहाल किया जाना आवश्यक है।

इसके अलावा, कटघोरा-डोंगरगढ़ रेलवे लाइन का कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। सांसद साहू ने रेल मंत्री से इसे शीघ्र शुरू करने की मांग की, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक और यात्री परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उनकी सभी मांगों पर प्राथमिकता से विचार करने और रेलवे सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फॉर्म हाउस में चोरी की वारदात

दुर्ग। पूर्व मुख्यमंत्री के फॉर्म हाउस में अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अमलेश्वर पुलिस ने फार्म हाउस के चौकीदार की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। फॉर्म हाउस के चौकीदार नरोत्तम यादव ने पुलिस को बताया कि वह पूर्व सीएम भूपेश बघेल के कुरुदडीह स्थित फार्म हाउस में काम करता है और फार्म हाउस में धान बोआई का काम चल रहा है। सिंचाई के लिए फार्म हाउस में बने कमरे में कुंडी तोड़कर चोर पीतल के 5 नल चोरी कर ले गए। चौकीदार जब रोजाना की तरह बुधवार सुबह फॉर्म हाउस गया तो कमरे का कुंडी टूटी हुई थी तब घटना का पता चला। मंगलवार को सिंचाई करने के बाद कमरे में ताला लगाकर वह घर चला गया था। चोरों ने बिजली के बोर्ड में लगा कटआउट, काले रंग के वायर के साथ खेत में लगा केबल भी चोरी कर ले गए हैं। अज्ञात चोरों ने पूर्व मुख्यमंत्री के फॉर्म हाउस 15 हजार की चोरी की वारदात को अंजाम दिए है। पुलिस ने चौकीदार की शिकायत पर मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई।

पत्नी का चुनाव प्रचार करना शास. कर्मचारी को पड़ा महंगा

बलौदाबाजार। आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन करना ग्रामीण सेवा सहकारी समिति, लवन के व्यवस्थापक चंद्रमौली गंधर्व को भारी पड़ गया और उसे पद से बर्खास्त कर दिया गया क्योंकि वह अपनी पत्नी का चुनाव प्रचार कर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंद्रमौली गंधर्व अपनी पत्नी डालेश्री गंधर्व के चुनाव प्रचार में शामिल थे क्योंकि उनकी पत्नी बलौदाबाजार नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। चुनावी प्रचार में उनकी संलिप्तता आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना गया और जांच के बाद प्रशासन ने चंद्रमौली गंधर्व को उनके पद से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। सरकारी सेवकों को चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्ष रहना होता है, लेकिन सरकारी कर्मचारी होने के बावजूद वे प्रत्यक्ष रूप से प्रचार करते पाए गए।

कांग्रेस प्रवक्ता सहित तीन नेता 6 साल के लिए निष्कासित

बिलासपुर। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 42 चंद्रशेखर आजाद नगर (देवरीखुर्द) में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ काम करने के आरोप में जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश प्रवक्ता अभयनारायण राय, मनिहार निषाद और इशहाक कुरेशी को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस प्रत्याशी ब्रह्मदेव सिंह ठाकुर ने जिला कमेटी से शिकायत की थी कि ये तीनों नेता चुनाव में पार्टी प्रत्याशी को हराने के लिए कार्य कर रहे थे, जिससे कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ। मामले की जांच के बाद कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष विजय केशरवानी ने अनुशासनहीनता और भितरघात के आरोप में निष्कासन का आदेश जारी किया। जिला कमेटी से उठाए सवाल अभयनारायण राय ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रवक्ता होने के नाते जिला कमेटी को उनके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है और यह स्वयं अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना में प्रकरणों की हुई समीक्षा

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में हिट एंड रन मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2022 के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की बैठक में पीड़ितों को दिए जाने वाले विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान समिति द्वारा उक्त योजनांतर्गत जवाहर नगर वार्ड जगदलपुर निवासी श्रीमती प्रमिला मांझी पति स्वर्गीय उदयचंद मांझी को दो लाख रुपए की मुआवजा राशि प्रदान करने का अनुमोदन किया गया। बैठक में कलेक्टर हरिस ने हिट एंड रन केस में पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजा सम्बन्धी लंबित दावा प्रकरणों की जांच कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कर प्रस्तुत किए जाने के निर्देश सम्बन्धित अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को दिए। साथ ही दावा प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में परिवहन अधिकारी डीसी बंजारे सहित सभी एसडीएम, पुलिस अधिकारी और समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कार को टक्कर मारने के बाद पलटी पिकअप गाड़ी

जगदलपुर। जगदलपुर के कोड़ेनार थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार पिकअप व कार के बीच भिड़ंत हो गई। इस घटना में पिकअप सड़क किनारे जा पलटी। वहीं घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया है। हादसे की सूचना मिलने के बाद कोड़ेनार पुलिस मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि दंतेवाड़ा की ओर से सुबह एक परिवार जगदलपुर की ओर आ रहा था कि अचानक से दुगनपाल चौक के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप के साथ आमने सामने टकरा गई। इस घटना के बाद कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, पिकअप सड़क के बीच में पलट गई, घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई भी जानकारी नहीं है। फिलहाल मामले के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है।

सारंगढ़ गोलीकांड : मामूली बात पर चलाई थी गोली

■ पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा, मुख्य आरोपी फरार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मामूली विवाद पर एक युवक पर गोली चला दी। इस दौरान युवक की हालत नाजुक हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सारंगढ़ पुलिस ने इस पूरे मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मुख्य आरोपी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूर्या बेकरी के सामने प्लास्टिक जलाने को लेकर ललिता बघेल, पिंटू जांगड़े और कृष्णा राजपूत का बेकरी स्टाफ के साथ विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपने पास रखे पिस्टल से गोली चला दी। मुख्य आरोपी कृष्णा राजपूत ने बेकरी में काम करने वाले मुखलाल मांझी के सीने में गोली मारी। जिसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर घटनास्थल पहुंची। वहीं मामले के छानबीन कर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी अभी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। पुलिस ने मौके से कार और मैंगजीन बरामद किया है। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। मुख्य आरोपी कृष्णा राजपूत जल्द ही पुलिस के गिरफ्त में होगी। मिली जानकारी के अनुसार, मुख्य आरोपी कृष्णा राजपूत पर सिंघनपुर के ग्रामीणों ने तीन माह पूर्व बंदूक की नोक पर अवैध रेत खनन किए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री, कलेक्टर से की थी। मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने पर आरोपी के हौसले बुलंद हो गए थे।

विस्फोटक के साथ एक नक्सली सप्लायर गिरफ्तार

सुकमा। नक्सलियों पीएलजीए बटालियन के सप्लाई नेटवर्क की ह्यूमन इंट एवं टेक्निकल इंट मिलने पर थाना मरईगुड़ा से जिला बल तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती में मरईगुड़ा के फारेस्ट नाका के पास मोबाईल चेक पोस्ट कार्यवाही किया गया। इस दौरान मार्ग में आने जाने वाले वाहनों/राहगीरों की जांच के दौरान 1 संदिग्ध व्यक्ति तेलंगाना स्टेट बार्डर से पैदल चल कर कंधे में बैग लटकाया हुआ आ रहा था, जिसे रोक कर पूछताछ करने पर संतोष जनक जवाब नहीं दे रहा था। नाम पूछने पर अपना नाम बुधरा कुहरामी पिता लखमा उम्र 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी मल्लेमपेंटा थाना उसूर जिला बीजापुर का होना तथा नक्सलियों के तेलंगाना स्टेट कमेटी/पीएलजीए बटालियन कंपनी नंबर 1 में सप्लायर का कार्य करना बताया गया। बैग की तलाशी लेने पर विस्फोटक पदार्थ 1 बंडल कोर्डेक्स वायर, 12 नग डेटोनेटर, 8 नग जिलेटिन रॉड, 1 बंडल बिजली वायर, 15 नग बैटरी छोटा वाला, 3 नग नक्सल साहित्य बरामद किया गया। बरामद विस्फोटक पदार्थ रखे जाने के संबंध मे पूछताछ करने पर नक्सिलयों के तेलंगाना स्टेट कमेटी के बड़े लीडरो के कहने पर परिवहन करना बताया गया। उक्त कृत्य विधि विरूद्ध पाये जाने से बुधरा कुहरामी के खिलाफ थाना मरईगुड़ा में अपराध क्रमांक 01/2025 धारा 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार गोला-बारूद बरामद किया

सुकमा और ओड़िशा सीमा से लगे गांव में सर्चिंग के दौरान पुलिस जवानों ने भारी मात्रा में नक्सलियों के द्वारा छिपाए गए उनके सामानों को बरामद करने में सफलता हासिल की है। नक्सलियों ने इन सामानों को 4 अलग-अलग स्थानों पर छिपाया था, जिसे पुलिस ने बरामद किया है।

नक्सलियों के द्वारा छिपाए किये गए सामान को ओड़िशा पुलिस ने बीएसएफ के जवानों के साथ मिलकर ओड़िशा सीमा से लगे सिलाकोटा रिजर्व फॉरेस्ट एरिया से बरामद किया है। नक्सलियों ने इन सामानों को 4 अलग-अलग स्थानों पर विस्फोटक छिपाकर रखा था। नक्सलियों ने पत्थर के बीच खोह में और पेड़ों के नीचे दबाकर विस्फोटक, आईईडी, डेटोनेटर, कंट्री मेड बंदूक, एसबीएमएल गन और बारूद बरामद किया है। इसके अलावा 2, 3 और 5 किलो के कई प्रेशर कुकर-टिफिन आईईडी भी जवानों को मिली है। नक्सलियों के इन सामानों को नष्ट कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा अधिकांश सीटें जीतेगी : साव

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव की मतगणना से एक दिन पहले शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर निवास में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि नगरीय निकाय चुनाव की मतगणना कल होगी, आश्वस्त है चुनाव परिणाम हमारे पक्ष में आएंगे। भाजपा ने इस चुनाव को पूरी गंभीरता लड़ा है। अटल विश्वास पत्र शहर की जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें नगरीय निकाय के चुनाव के लिए रोड मैप प्रस्तुत किया गया। साथ ही 13 महीने में हमने पूरी प्रतिबद्धता से काम किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान अनेक नगरीय निकायों में नामांकन रैली,रोड शो और आमसभा किया, इसमें जनता का जो उत्साह दिखा है, इससे पूरी तरह स्पष्ट है कि नगरीय निकाय चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आएंगे। नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम लोकसभा, विधानसभा से बेहतर होंगे।

उपमुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत चचेड़ी और झलमला के निर्विरोध सरपंचों को दी बधाई

बालोद। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने

शुक्रवार को ग्राम पंचायत चचेड़ी से श्रीमती पल्लवी राघवेंद्र तिवारी और ग्राम पंचायत झलमला से श्री ओम प्रकाश चंद्रवंशी को निर्विरोध सरपंच चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।समारोह में उपमुख्यमंत्री ने इन दोनों नए सरपंचों के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और उन्हें विश्वास है कि दोनों अपने-अपने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने आगे कहा कि ग्राम पंचायतों का मजबूत होना राज्य के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों को उनके चुनावी सफर की सफलता पर बधाई दी और उनसे यह भी आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक सुधारों के लिए अपनी पूरी मेहनत और समर्पण से काम करें। वहीं श्रीमती पल्लवी राघवेंद्र तिवारी और ओम प्रकाश चंद्रवंशी ने भी उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस सम्मान का पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करेंगे और अपने क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

श्यामाचरण शुक्ल दूरगामी सोच के नेता थे - अमितेश

रायपुर। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस

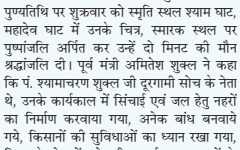

के वरिष्ठतम नेता पं. श्यामाचरण शुक्ल को उनके पुण्यतिथि पर शुक्रवार को स्मृति स्थल श्याम घाट, महादेव घाट में उनके चित्र, स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी। पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल ने कहा कि पं. श्यामाचरण शुक्ल जी दूरगामी सोच के नेता थे, उनके कार्यकाल में सिंचाई एवं जल हेतु नहरों का निर्माण करवाया गया, अनेक बांध बनवाये गये, किसानों की सुविधाओं का ध्यान रखा गया, शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए, युवाओं के रोजगार का ध्यान रखा गया, नये उद्योग-व्यापार का विस्तार हुआ, आवागमन के साधनों में वृद्धि एवम् सड़कों का निर्माण करवाया गया, मरीजों की सुविधाओं के लिए अस्पतालों का निर्माण करवाया गया। शहरों के समुचित, व्यवस्थित विकास के लिये मास्टर प्लान बनाया गया. वे सर्व धर्म समभाव की नीति से कार्य किये। उन्होंने सदा उच्च आदर्शों, सिद्धांतों की राजनीति की। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से मनोज कंदोई, सुंदर जोगी, नितिन कुमार झा, विकास गुप्ता, सुनील बाजारी, किशन बाजारी सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन एवं शुक्ल समर्थकगण उपस्थित थे।

रायपुर में फिर चाइनीज मांझा से दर्दनाक हादसा, बुजुर्ग का बुरी तरह कटा चेहरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चायनीज मांझे से एक स्कूटी सवार बुजुर्ग का मुंह बुरी तरह से कट गया। यह राजधानी का तीसरा मामला रहा है। इससे पहले चाइनीज मांझे से एक सात साल के मासूम की जान चली गई थी। वहीं घायल बुजुर्ग अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, अमलीडीह निवासी 61 वर्षीय होमराज ब्राह्मणकर चाइनीज मांझे का चपेट में आ गए। गुरुवार को होमराज ब्राह्मणकर चाइनीज मांझे में फंस गए। इससे मुंह और अंगूठा बुरी तरह से कट गया। वह स्कूटी में सवार था। इसी दौरान एक्सप्रेस-वे पर बुजुर्ग पंडरी क्षेत्र में चीनी मांझे में फंस गया। इस दौरान आनन फानन में घायल को पंडरी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत देखकर आंबेडकर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज जारी है। बता दें कि बीते दिनों 19 जनवरी को पचपेड़ी नाके के पास सात वर्षीय पुष्कर साहू का गला चीनी मांझे से कट गया, जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरी ओर महिला वकील पूर्णशा कौशिक के गले में पंडरी माल के पास एक्सप्रेस-वे पर चीनी मांझा फंसा था इससे उनका गला और हाथ कट गया था।

भाजपा-कांग्रेस की धड़कनें तेज, पुलिस ने जारी किया रुट चार्ट

रायपुर। शनिवार को रायपुर नगर निगम के महापौर और पार्षद प्रत्याशी के हुए चुनाव का रिजल्ट जारी होने वाला है। शनिवार को होने वाली वोटों की गिनती को देखते हुए रायपुर यातायात पुलिस ने मतगणना के दौरान मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों,कर्मचारियों और प्रत्याशियों के अभिकर्ता, प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया वाहनों के पार्किंग के लिए अलग अलग मार्ग और पार्किग व्यवस्था बनाई है। ट्रैफिक डिपार्टमेंट की कोशिश है कि सभी लोगों को आने जाने में किसी तरह की कोई कठिनाई नहीं हो।

रायपुर ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह ने बताया कि नगरीय निकाय चुनाव 11 तारीख को संपन्न होने के बाद काउंटिंग की प्रक्रिया 15 फरवरी शनिवार को होगी। रायपुर नगर निगम के 70 वार्ड और महापौर पद के प्रत्याशियों की मतगणना का काम सेजबहार के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में सुबह 8 बजे से शुरू होगा। जिसको देखते हुए यातायात पुलिस ने रूट प्लान और पार्किंग की व्यवस्था की है।

10 नगर निगमों, 49 नगर पालिका परिषदों और 114 नगर पंचायतों के लिए 11 फरवरी को निर्वाचन आयोग ने मतदान कराया था। सभी जगहों पर मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच में है। नगरीय निकाय चुनाव में 10 हजार से ज्यादा उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे। सभी उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 44 लाख 90 360 मतदाताओं के जिम्मे था। वोटिंग के लिए 5970 पोलिंग बूथ बनाए गए थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने वोटिंग के

आंकड़े जारी करते हुए कहा कि राज्य में कुल 72 I48 फीसदी मतदान रिकार्ड हुआ। किसी भी बूथ से कोई अप्रीय घटना की सूचना नहीं मिली। रायपुर के भगवती चरण वार्ड और धमतरी के रिसाई पारा बूथ पर जरुर हंगामा हुआ था।

दुर्ग में भारती कॉलेज में होगी मतगणना- मेयर पद सहित 60 वार्डो के पार्षदों और 6 निकायों के अध्यक्ष पदों के नतीजे शनिवार को आएंगे। निर्वाचन आयोग ने यहां वोटों की गिनती के लिए कुल 322 कर्चमारियों की ड्यूटी लगाई है। हर टेबल पर मतदान दल के 3 सदस्य मौजूद रहेंगे। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी। पोस्टल बैलेट गिनने के बाद ईवीएम से गिनती शुरु होगी। उम्मीद है कि सुबह 11 बजे तक नतीजे सामने आ जाएंगे।

काउंटिंग स्थल से जुड़ी बड़ी बातें

मतगणना के दौरान शासकीय इंजीनियरिंग कालेज के मुख्य द्वार से केवल आब्जर्वर/आरओ/एआरओ के वाहन को प्रवेश की अनुमति मिलेगी। मतगणना कार्य में लगे शासकीय अधिकारी और कर्मचारी अपना वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज गेट के पास बने मैदान में पार्क कर पैदल मतगणना स्थल में प्रवेश करेंगे। मतगणना के दौरान प्रत्याशी और गणना एजेंट अपना वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज के मुख्य द्वार के सामने निर्धारित पार्किंग में पार्क कर पैदल भीतर जाएंगे। प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया के वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज के मुख्य द्वार के बाहर निर्धारित पार्किंग स्थल में पार्क की जाएंगी। मतगणना के दौरान पुराने धमतरी रोड पर कमल विहार तिराहा और भरेंगाभाठा चौक से भारी वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान के दौरान 12 हज़ार 500 कंट्रोल यूनिट तथा 22 हज़ार 650 बैलेट यूनिट उपयोग में लाया। नगर पंचायत बसना जिला महासमुंद में अध्यक्ष पद अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुआ। आम निर्वाचन में कुल 31 एवं उप निर्वाचन में 02 पार्षद पद के अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

निर्वाचन के दौरान जिला खैरागढ़ छुईखदान गण्डई में 1, जिला गरियाबंद में 1, जिला जांजगीर चांपा में 3, जिला-दंतेवाड़ा में 05, जिला महासमुंद में 3, जिला बलरामपुर रामानुजगंज में 3, जिला सूरजपुर में 5 एवं जिला मुंगेली से 2 में मतदान मशीन खराब होने के कारण बदले गए।

सीएम साय का दावा - इस बार भी भाजपा को मिलेगी सफलता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के नतीजा शनिवार को सामने आएगा। नतीजा सामने आने से पहले कांग्रेस-बीजेपी दोनों पार्टी जीत का दावा कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चुनाव को लेकर दावा किया की इस बार भी बीजेपी सफल रहेगी। उन्होंने नतीजों को लेकर कहा कि लोकसभा, विधानसभा और उपचुनाव की तरह ही इसमें भी बीजेपी को सफलता मिलेगी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 13 महीने में नगरीय निकाय क्षत्रों में विकास के अच्छे काम हुए है। जनता का विश्वास भाजपा के प्रति बढ़ा है।

दरअसल, सीएम साय शुक्रवार को जशपुर दौरे के लिए रवाना हुए है। रायपुर पुलिस ग्राउंड हेलिपैड में उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए विभिन्न मुद्दों पर बयान दिया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा कि उनकी कथनी और करनी में अंतर है। छत्तीसगढ़ की जनता पिछले पांच साल तक ठगी गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब कांग्रेस पार्टी पर जनता का भरोसा खत्म हो गया है।

28 अस्पतालों का निलंबन तत्काल प्रभाव से लिया जाए वापस, अन्यथा चिकित्सक आंदोलन के लिए होंगे बाध्य

रायपुर। राज्य स्तर पर आई. एम.ए. और अस्पताल बोर्ड की बैठक मेडिकल कॉलेज रायपुर में गुरुवार को हुई जिसमें पूरे प्रदेश के चिकित्सक शामिल हुए और 30 वर्षों के इतिहास में इतनी उपस्थिति कभी नहीं रही। बैठक में 3 बिंदुओं पर आम सहमति बनी जिसमें शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य योजना से निलंबित किए गये सभी 28 अस्पतालों के निलंबन को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए, आयुष्मान योजना (छग) का भुगतान समयबद्ध हो और जो दरे आयुष्मान योजना में निर्धारित की गई है वह पूरे भारत में सबसे कम है। इसे पूर्णनिरक्षित कर बढ़ाया जाए और कम से काम राष्ट्रीय पीएमजेवॉय योजना की दरे लागू की जाए। इसके निराकरण के लिए चिकित्सकों ने 10 दिनों का समय दिया है अन्यथा चिकित्सक आंदोलन के लिए बाध्य होगे।

बैठक में डॉ अनूप वर्मा प्रेसीडेंट इलेक्ट, डॉ. राकेश गुप्ता पूर्व अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड, डॉ. विमल चोपड़ा संयोजक चिकित्मा प्रकोष्ठ. डॉ. सुरेन्द्र शुक्ला अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड, डॉ. कुलदीप सोलंकी अध्यक्ष आई.एम.ए. रायपुर, डॉ. अखिलेश दुबे अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड रायपुर व पूरे प्रदेश से आये चिकित्सकों ने अपने विचार रखे। बैठक में यह बात भी सामने आयी कि छापेमार कार्यवाही के दौरान अस्पतालों का पक्ष सुना ही नहीं गया और जो कमियां पायी गई उसके बारे में भी न बताते हुए सीधे कार्यवाही कर दी गई। कार्यवाही के पहले चिकित्सकों का भी मत लिया जाना चाहिए। पूर्व में भी हमारे सभी संगठनों द्वारा निगरानी समिति के गठन के विषय में बात की गई थी, जिसमें एक सदस्य प्रशासन का हो, एक सदस्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी का और एक आई. एम.ए. का सदस्य हो। ऐसी समिति हर जिले में गठित की जाए। शासन से अपेक्षा है कि हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर इसका निराकरण 10 दिनों में की जाए, अन्यथा चिकित्सक आंदोलन के लिए बाध्य होगे। प्रमुख बात यह है कि हम सभी चिकित्सक शासन की इस महती योजना में सहयोग करना चाहते हैं और चिकित्सक भी चाहते है कि इसका लाभ पूरे प्रदेश की जनता को मिले। बैठक के पश्चात 3 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट रायपुर को स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम से दिया गया ।

रायपुर पुलिस ने 36 घंटे में सुलझाई 60 लाख की डकैती

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने एसपी का किया सम्मान

रायपुर। रायपुर में हाल ही में हुई 60 लाख रुपये की डकैती के मामले को महज 36 घंटे के भीतर सुलझाने और अपराधियों को गिरफ्तार करने में मिली सफलता के लिए रायपुर पुलिस की सराहना की जा रही है। विशेष रूप से, यह उपलब्धि उस समय हासिल की गई जब पुलिस के समक्ष कड़ी चुनावी ड्यूटी की चुनौती भी थी।

रायपुर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्यवाही के लिए रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर के सदस्यों ने क्लब के अध्यक्ष श्री पंकज चोपड़ा के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह का सम्मान किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने उन्हें गुलदस्ता और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके नेतृत्व में पुलिस टीम की तत्परता और समर्पण की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी।

शहरवासियों ने भी रायपुर पुलिस के इस तेज़ और सटीक एक्शन की प्रशंसा की है। इस सफलता से न केवल अपराध पर कड़ा प्रहार हुआ है, बल्कि आम नागरिकों का कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर भरोसा भी और मजबूत हुआ है। रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर ग्रेटर से अध्यक्ष पंकज चोपड़ा, एस के अग्रवाल, मुनीश सग्गर, हेमंत अग्रवाल, रंजन नत्थानी, विनय अग्रवाल, पंकज माहेश्वरी, बीरेन्द्र शर्मा, राजेश चौरसिया, राजीव अग्रवाल उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह से बात करते हुए अध्यक्ष पंकज चोपड़ा ने पुलिस के लिए शेड बनाने जैसे कार्यो पर पुलिस विभाग को रोटरी के द्वारा सहयोग देने का भी विश्वास दिया। रायपुर पुलिस का यह सराहनीय प्रयास यह दर्शाता है कि वे नागरिकों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए हर परिस्थिति में सतर्क और तत्पर हैं।

पुस्तक घोटाला : जांच पर पूर्व विधायक विकास ने उठाया सवाल

कहा- छोटी मछलियों पर हो रही कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पाठ्यपुस्तक निगम घोटाले की जांच प्रक्रिया को लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने सवाल उठाये हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि घोटाले की जांच में संलिप्त छोटी मछलियों पर कार्रवाई हो रही है। भाजपा घोटाले को रोकने का प्रयास कर रही है। अब विकास उपाध्याय ने मामले को न्यायालय तक लेकर जाने की बात कही है।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने मामले की जांच प्रक्रिया को लेकर कहा कि बीजेपी की 14 महीने की सरकार से पहले इतना अधिक भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ। ये छोटी मछलीयां हैं जिनपर कार्रवाई हो रही, बड़े मगरमच्छ अभी बाकी है। हमने छापेमारी की और जांच समितियों के ऊपर सवाल भी उठाया था। मुख्य दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं।

अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले ने पुस्तक घोटाले मामले में 1045 पेज की जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। अफसरों के साथ साठगांठ कर दो लाख की किताबें रद्दी में बेची गई थी। मामले में दोषी पाए गए 5 डीईओ और कर्मचारियों को नोटिस जारी

कर दिया गया है।

गौतलब है कि रायपुर के सिलियारी स्थित पेपर मिल के कबाड़ में लाखों किताबें मिली थी। इनमें सरकार की ओर से प्रदेश के सभी स्कूलों में बांटी जाने वाली किताबें भी शामिल थी। सभी किताबें इसी सत्र की थी। इस मामले का उजागर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने किया था। इस मामले को लेकर उपाध्याय ने फैक्ट्री के सामने धरना देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि सरकार ने किताबें खरीदीं और बिना बांटे ही बेच दीं। मामले में सियासत तेज होने के बाद सरकार ने 5 सदस्यीय जांच कमेटी बनाई थी।

करोड़ों की जमीन का फर्जी एग्रीमेंट तैयार करने वाला अलताफ गिरफ्तार

रायपुर । किसी और की जमीन को अपना बताकर बेचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में मृत व्यक्ति का फर्जी हस्ताक्षर करने के साथ ही अंगुठा छाप व्यक्ति का भी हस्ताक्षर करके करोड़ों रुपए की जमीन का फर्जी एग्रीमेंट तैयार करने वाले आरोपी मोहम्मद अलताफ को सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि प्रार्थी प्रवीणचंद पारख एवं अन्य के द्वारा आरोपी मोह. अल्ताफ के विरूद्ध किसी अन्य की भूमि का फर्जी इकरारनामा देकर जमीन रजिस्ट्री कराने का धोखा देकर एडवांस रकम लेकर हड़पने की शिकायत थाने में दिया गया था। जिसके जांच पर प्राप्त दस्तावेजों में आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 1695 रकबा 0.4250 हेक्टेयर भूमि को भू स्वामी बिसाहिन के साथ मोह. अल्ताफ के द्वारा स्वयं का इकरारनामा एवं भूमि स्वामी कृष्ण कुमार साहू एवं रामनारायण बंजारे के अलग अलग खसरा के भूमि को विक्रय करने संबंधी इकरारनामा स्वयं के साथ करके उपरोक्त भूमि को प्रार्थीगणों को विक्रय करने का सौदा 2,14,71,200/- रूपये तय किया था। जांच के दौरान बिसाहिन पटेल से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बतायी कि वह अपनी भूमि को बेचने के संबंध में किसी से भी इकरारनामा

निष्पादित नहीं की है तथा वह मोह. अल्ताफ नाम के किसी व्यक्ति को नही जानती है साथ ही यह भी बतायी कि वह लिखकर हस्ताक्षर नहीं करती है, दस्तावेजों में अंगूठा लगाती है। जबकि मोह. अलताफ के द्वारा प्रार्थीगणों से किये गये इकरारनामा में बिसाहिन के हिन्दी में हस्ताक्षरित कर इकरारनामा दिया गया है। इसी प्रकार मोह. अल्ताफ द्वारा प्रस्तुत कृष्ण कुमार साहू व रामनारायण बंजारे के मध्य दिनांक 25.07.2023 के इकरारनामा के संबंध में स्व. कृष्ण कुमार साहू की पत्नी कमला बाई साहू से पूछताछ में अपने पति कृष्ण कुमार साहू का देहांत दिनांक 26.01.2019 को होना बतायी एवं उक्त भूमि की बिकी हेतु किसी भी व्यक्ति से सौदा/इकरारनामा होने की जानकारी से इंकार की। इस प्रकार मोह. अल्ताफ के द्वारा दिनांक 26.01.2019 को मृत व्यक्ति कृष्ण कुमार साहू का दिनांक 25.07.2023 का फर्जी इकरारनामा प्रार्थी को देकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करना पाये जाने पर थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 73/2025 धारा 420, 467, 468, 471 भादवि. दर्ज कर विवेचना में लिया गया है प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी सिविल लाईन को आरोपी की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी सिविल लाईन के नेतृत्व में थाना सिविल लाईन पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी सहित अन्य पीड़ितो से विस्तृत पूछताछ कर आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में मुखबीर लगाने के साथ ही आरोपी के छिपने के हर संभावित स्थानों में लगातार रेड कार्यवाही कर आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान टीम के सदस्यों को आरोपी की उपस्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर प्रकरण में आरोपी मोह. अलताफ को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। जिस पर आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही किया गया है।

जेएईएस पर आयकर विभाग की सख्त कार्रवाई, 32 करोड़ की कर चोरी उजागर

जेएईएस निदेशकों ने कर चोरी की बात कबूली, 10.75 करोड़ रुपये अग्रिम कर देय, 25 लाख रुपये का अतिरिक्त जुर्माना बकाया

रायपुर। लगभग 24 घंटे लंबी गहन और सूक्ष्म जांच के बाद, आयकर विभाग की असेसमेंट विंग ने जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेज प्रोजेक्ट्स (आई) प्रा. लि. (जेएईएस) में 32 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा किया है। जांच में बोगस खर्च, फर्जी कटौतियां और कर देनदारी को कृत्रिम रूप से कम करने के लिए जाली बिलिंग तंत्र जैसी गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं, जो सरकार से धोखाधड़ी कर रिफंड प्राप्त करने के लिए अपनाई गई थीं।

आयकर अधिकारियों ने वित्तीय विवरणों की बारीकी से जांच की, जिसमें स्पष्ट लेखा विसंगतियां पाई गईं। इसके चलते जेएईएस को 'हाई रिफंड' मामला घोषित किया गया, जो कर कानूनों की खामियों का दुरुपयोग कर अनुचित कर लाभ उठाने की साजिश को दर्शाता है। जांच में डिजिटल रिकॉर्ड और भौतिक दस्तावेजों की बरामदगी से फर्जी व्यय लॉग, बोगस बिलिंग तंत्र और आय को छिपाने के सुनियोजित प्रयासों का पर्दाफाश हुआ।

यह सर्वे आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 133(ए)(1) के तहत बुधवार दोपहर से शुरू होकर गुरुवार देर रात तक चला। इस पूरे अभियान की निगरानी मुख्य आयकर आयुक्त (सीसीआईटी) अपर्णा करन और प्रधान आयकर आयुक्त (पीसीआईटी) प्रदीप हेडाउ ने की, जबकि संयुक्त आयकर आयुक्त बीरेंद्र कुमार और उप आयकर आयुक्त राहुल मिश्रा ने 26 सदस्यीय प्रवर्तन दल का नेतृत्व किया, जिसमें 20 कर जांचकर्ता और 6 सशस्त्र पुलिसकर्मी शामिल थे, ताकि कार्रवाई निर्बाध रूप से संचालित की जा सके।

आयकर विभाग की असेसमेंट विंग से जुड़े एक उच्च पदस्थ सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, जेएईएस निदेशक—

धर्मेंद्र सिंह, जोगेंद्र सिंह और अमरेंद्र सिंह—से गहन पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्होंने 32 करोड़ रुपये की कर चोरी की बात स्वीकार की। इसके चलते, उन पर 10.75 करोड़ रुपये का अग्रिम कर लगाया गया है, जबकि 25 लाख रुपये का अतिरिक्त जुर्माना अब भी बकाया है। कुल मिलाकर, जेएईएस पर 11 करोड़ रुपये का कर देय है।

यह कड़ा अभियान डेढ़ महीने से अधिक समय तक चली वित्तीय निगरानी का परिणाम था, जिसे नववर्ष 2024 के बाद शुरू किया गया था। आयकर अधिकारियों ने लेनदेन विसंगतियों, राजस्व असमानताओं और अघोषित व्ययों को बारीकी से ट्रैक किया, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि जेएईएस ने अपनी वास्तविक आय को छिपाया, व्ययों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और फर्जी कटौतियां दिखाकर कर देनदारी कम करने का प्रयास किया। विशेष रूप से, नकदी सृजन के लिए बोगस खर्च को वित्तीय विवरणों में हेरफेर करने का मुख्य साधन बनाया गया था।

आगे की जांच में जेएईएस निदेशकों के स्वामित्व वाली कई डमी कंपनियां सामने आईं, जिनमें मां मदवारानी कोल बेनेफिशिएशन प्रा. लि., फेसिक फोर्जिंग प्रा. लि., अरंश प्रोजेक्ट्स प्रा. लि., किंग रिसोर्सेज प्रा. लि., प्रगति ट्रांसमूवर्स प्रा. लि., जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेज प्रा. लि., जय अंबे रोडलाइंस प्रा. लि., यूनाइटेड इमरजेंसी सॉल्यूशंस प्रा. लि. और जय अंबे एक्जिजेंसी सर्विसेज प्रा. लि., अचकन्न क्लोदिंग प्रा. लि., डिलिजेंस ग्लोबल प्रा. लि. और डिलिजेंस हेल्पिंगहैंड फाउंडेशन शामिल हैं। हालांकि, अधिक गहन जांच से पुष्टि हुई कि ये डमी कंपनियां थीं, लेकिन इनका उपयोग कर चोरी के लिए नहीं किया गया था। इन कंपनियों की और गहन जांच की जाएगी, जो सर्वे के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों पर आधारित होगी।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कॉर्पोरेट कर चोरी को लेकर कड़ी निगरानी जारी रहेगी और जेएईएस मामला उन कंपनियों के लिए नजीर बनेगा, जो कर बचाने के लिए अवैध वित्तीय तंत्रों का दुरुपयोग कर रही हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, विभाग कानूनी कार्रवाई और पुनर्मूल्यांकन के अन्य विकल्पों पर विचार करेगा।

आम आदमी पार्टी का आपदाकाल

राकेश सैन

सावन में बहुत सी बेल-बूटियां पैदा होती हैं, जिनमें से कई तो विशाल वृक्षों से लिपटती हुई उनसे भी ऊंची उठ कर इतराने लगती हैं, पर सभी जानते हैं कि कार्तिक-माघ माह आते-आते हरित सर्पणियों सरीखी ये लताएं प्राणविहीन होने लगती हैं। कारण ढूंढें तो सामने आता है कि वृक्षों के विपरीत इन लताओं की जड़ें गहरी नहीं होतीं। देश की राजनीतिक सनसनी कहे जाने वाली आम आदमी पार्टी भी लगभग उसी मार्ग पर चलती दिखाई दे रही है, जो दीपावली के राकेट की तरह एकदम उठी और कुछ देर रोशनी बिखेर कर आज उतनी ही गति से नीचे आ रही है। दिल्ली जहां पार्टी का श्रीगणेश हुआ वहां पार्टी को कमरतोड़ पराजय का सामना करना पड़ा है। केवल पार्टी ही चुनाव नहीं हारी बल्कि उन बड़े चेहरों को भी जनता ने घर का रास्ता दिखा दिया है जो पार्टी का चेहरा माने जाते हैं। और तो और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल भी हार गए। 'आप' आज आपदाकाल से गुजर रही है यानि कह सकते हैं कि बेल पीली पड़ रही है। लेकिन इस आपदाकाल को आत्मज्ञानकाल बना लिया जाए तो बेल को पूरी तरह झुलसने से बचाया जा सकता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी दल या संगठन को अलोकतांत्रिक पद्धति से नहीं चलाया जा सकता। परन्तु देखने में आता है कि 'आप' में आतंरिक लोकतंत्र का पूरी तरह अभाव है। गठन के पहले दिन से ही श्री केजरीवाल ने पार्टी को आत्मकेन्द्रित करना शुरू कर दिया। पार्टी जन्म से लेकर आज तक केवल वो ही राष्ट्रीय संयोजक के पद पर चले आ रहे हैं। अंदर से उन्हें किसी से चुनौती न मिले इसके लिए उन्होंने सबसे पहले अपने उन साथियों को किनारे करना शुरू कर दिया जो अन्ना आंदोलन में उनके साथ रहे। जनरल वीके सिंह, किरण बेदी, कुमार विश्वास, आशुतोष गुप्ता, योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण आदि आदि बहुत से लोगों की लम्बी श्रृंखला है जो केजरीवाल के व्यवहार के कारण उनका साथ छोड़ते गए। राष्ट्रीय स्तर पर लोकपाल का वायदा करके आई 'आप' ने अपने आंतरिक लोकपाल सेवानिवृत एडमिरल रामदास के साथ जो व्यवहार किया वह पूरे देश ने देखा। होली-होली आंदोलनकारी दूर हटते गए और सत्ताजीवी लिपटते गए। समय-समय पर वे लोग 'आप' का साथ छोड़ गए जो देश में नई तरह की राजनीति करने एक मंच पर आए थे। केजरीवाल विभव कुमार जैसे उन चापलूसों व सींदग्ध लोगों से घिर गए जो मुख्यमंत्री निवास पर भी पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेताओं से दुर्व्यवहार करने से नहीं झिझकते। इन 13 वर्षों में केजरीवाल की छवि संयोजक की बजाय पार्टी के मालिक की बन गई और 'आप' लोगों को कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस सरीखी कुनबावादी पार्टी लगने लगी। अगर मालिकाना हक वाली सोच न होती तो क्या कभी केजरीवाल अपनी ही पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी को 'टेम्परेरी सीएम' कहने का दुस्साहस करते? अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को मुख्यमंत्री बना कर केजरीवाल ने उन्हें जो अस्थाई मुख्यमंत्री कहा वह अपने आप में अति अशोभनीय था जिसका बहुत गलत संदेश गया। दूसरी ओर अपने जन्म के 13 साल बाद भी 'आप' अपना वैचारिक आधार नहीं बना पाई है. स. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर लगे आरोपों के चलते देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश पनपा हुआ था और इसी का लाभ उठा कर आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई परन्तु अपनी किशोर अवस्था आने से पहले ही नई नवेली पार्टी इन्हीं आरोपों में घिर गई। पुलवामा में आतंकी हमला हो या भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई केजरीवाल व उनकी पार्टी कभी भी देश के साथ खड़े दिखाई नहीं दिए। पार्टी में वैचारिक भटकाव इतना कि कभी तो लेफ्ट चलते दिखी तो कभी राइट, कभी उलटी तो कभी सीधी। केन्द्र से टकराव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्धविरोध पार्टी की एकमात्र विचारधारा बन गई। इसके लिए झूठ-फरेब, षड्यंत्र-अफवाहें, नाटक-नौटंकी सबकुछ आजमाया गया। तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए केजरीवाल कांग्रेस के ही बहरूपीए नजर आने लगे। कांग्रेस की ही दुर्दशा देख कर केजरीवाल को समझ जाना चाहिए था कि वैचारिक आधार के बिना या वैचारिक भटकान से उनका भी एक न एक दिन वही हश्र होगा जो कांग्रेस का हुआ है। 'आप' के पुनरुथान के लिए केजरीवाल को देश की माटी और जनमानस से जुड़े विचारों, सिद्धांतों को पार्टी की विचारधारा बनाना होगा और उन पर चलते हुए दिखना भी होगा। तभी उनका व उनके दल का कल्याण सम्भव है।

राहुल का कन्फ्यूजन कांग्रेस को डुबा देगा?

संतोष पाठक

एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए सत्तारूढ़ राजनीतिक दल के साथ ही मजबूत विपक्षी दल भी बहुत जरूरी माना जाता है। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का यह मूल सिद्धांत माना जाता है कि जितनी मजबूत सरकार हो, उतना ही मजबूत विपक्ष भी होना चाहिए लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है।जनता किसी राजनीतिक दल को बहुमत देकर सरकार चलाने का मौका देती है तो किसी राजनीतिक दल को विपक्ष में बैठाकर सरकार पर निगरानी बनाए रखने की जिम्मेदारी देती है। इसलिए यह तो स्वाभाविक है कि सरकार चलाने वाले राजनीतिक दल या गठबंधन के पास सदन में ज्यादा संख्या होती है। लेकिन जनता विपक्ष से यह उम्मीद भी करती है कि सदन में कम संख्या होने के बावजूद विपक्षी राजनीतिक दल या गठबंधन सरकार के गलत कामों की पोल लगातार खोलते रहे।

स्वाभाविक तौर पर, राजनीति के मैदान में उतरने का अंतिम लक्ष्य बहुमत हासिल कर सत्ता प्राप्त करना ही होता है। लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि इस देश के सबसे बड़े विपक्षी राजनीति दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी महत्वपूर्ण अवसरों पर अक्सर कन्फ्यूज होते नजर आते हैं। उनके कन्फ्यूजन का नुकसान हर बार कांग्रेस को चुनावी हार के रूप में उठाना पड़ता है। लेकिन लगातार हार मिलने के बावजूद भी राहुल गांधी के रवैये में फिलहाल तो कोई सुधार होता, नजर नहीं आ रहा है।

हाल ही में, दिल्ली में हुआ विधानसभा चुनाव राहुल गांधी के इस कन्फ्यूजन का सबसे ताजा उदाहरण है। राहुल गांधी अंतिम समय तक यह फैसला नहीं कर पा रहे थे कि अरविंद केजरीवाल साथी है या विरोधी ? कांग्रेस को बचाने के लिए दिल्ली में चुनाव लड़े या फिर इंडिया गठबंधन को बचाने के लिए केजरीवाल और उनकी पार्टी के खिलाफ मजबूती से चुनाव नहीं लड़े ? उन्होंने कभी अजय माकन को केजरीवाल के ऊपर सीधा हमला करने की अनुमति दे दी तो कभी उनकी प्रेस कांफ्रेंस को ही रद्द करवा दिया। जबकि शुरुआती दौर में राहुल गांधी ने स्वयं दिल्ली के सीलमपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल, दोनों पर एक ही सुर में तीखा निशाना साधा था।

सीलमपुर की रैली में अरविंद केजरीवाल पर तीखा राजनीतिक हमला बोलने के बाद अचानक से राहुल गांधी कुछ दिनों के लिए शांत हो गए। ऐसी खबरें निकलकर सामने आने लगी कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कहने पर ना केवल उन्होंने अजय माकन की प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द करवा दिया बल्कि स्वयं भी दिल्ली के चुनाव प्रचार अभियान से बाहर होकर बैठ गए। लेकिन इंडिया गठबंधन के साथियों द्वारा एक-एक करके दिल्ली के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को समर्थन दिए जाने की सार्वजनिक घोषणा करने के बाद राहुल गांधी ने अपने आप को आहत महसूस किया और उसके बाद एक बार फिर से उन्होंने दिल्ली कांग्रेस के नेताओं को चुनावी अभियान में जोर-शोर से जुड़ने का निर्देश दे दिया।

इतना ही नहीं राहुल गांधी स्वयं, अरविंद केजरीवाल की नई दिल्ली विधानसभा में चुनाव प्रचार करने के लिए पहुंच गए। जहां से उन्होंने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया था। जाहिर तौर पर कांग्रेस का लक्ष्य सिर्फ एक था कि कांग्रेस का उम्मीदवार भले ही चुनाव में जीत हासिल न कर पाए लेकिन अरविंद केजरीवाल सहित आप के तमाम दिग्गज नेता अपनी विधानसभा सीट हार जाएं। हुआ भी कुछ वैसा ही, दिल्ली में भले ही कांग्रेस को पिछले दो विधानसभा चुनावों की तरह इस बार भी जीरो सीट ही मिली लेकिन उसके उम्मीदवारों के कारण अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत आप के कई दिग्गज नेताओं को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। आम आदमी पार्टी के सभी बड़े नेताओं को चुनाव हरवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर राहुल गांधी ने अपनी ताकत को साबित कर दिया लेकिन यहां एक बार फिर से वही सवाल खड़ा हो रहा है कि अगर राहुल गांधी आखिरी समय तक कंफ्यूज नहीं रहते और उन्होंने कुछ महीने पहले ही दिल्ली प्रदेश कांग्रेस को अपने इरादे बता दिए होते तो शायद पार्टी ज्यादा बेहतर तरीके से चुनाव लड़ पाती और 2015 एवं 2020 के विधानसभा चुनाव में जीरो सीट हासिल करने वाली कांग्रेस पार्टी को इस बार भी जीरो के आंकड़े पर ही संतोष नहीं करना पड़ता।

राहुल गांधी का मुकाबला नरेंद्र मोदी और अमित शाह वाली भारतीय जनता पार्टी से है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने की मशीन बनती जा रही है और ऐसे माहौल में कंफ्यूज होकर राजनीति करने से हार के अलावा और कुछ नहीं मिलने जा रहा है। जिसका सामना राहुल गांधी लगातार 3 लोकसभा चुनावों और कई राज्यों की विधानसभा में करते आ रहे हैं।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 99 सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस भले ही लोकसभा में सबसे बड़ा विपक्षी राजनीतिक दल बन गया हो लेकिन यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस के 99 सीटों में अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य कई क्षेत्रीय दलों की भी अहम भूमिका रही है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के तमाम सहयोगी राजनीतिक दलों के साथ विचार विमर्श कर चुनाव से कम से कम 6-7 महीने पहले ही रणनीति तैयार कर लेते।

राहुल गांधी के लिए यह तय करना भी जरूरी है कि किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस का विरोधी है और किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ है। दिल्ली में आखिरी समय तक राहुल गांधी यह तय ही नहीं कर पा रहे थे कि केजरीवाल साथी है या विरोधी है ? पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया था और एक बार फिर से उन्होंने राज्य में अकेले ही 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करके कांग्रेस पर हावी होने की कोशिश की है। लेकिन दूसरी तरफ राहुल गांधी को देखिए, कि वह तय ही नहीं कर पा रहे हैं कि ममता बनर्जी से लड़ना है या दोस्ताना संबंध रखने हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिस कुर्सी पर इस बार राहुल गांधी बैठे हैं, उसी कुर्सी पर पिछली लोकसभा में कांग्रेस के लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी बैठा करते थे। चौधरी पश्चिम बंगाल में लगातार कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की बात किया करते थे और सिर्फ इस वजह से ममता बनर्जी उनसे इतनी ज्यादा नाराज हो गई कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया की अधीर रंजन चौधरी 2024 का चुनाव जीतकर फिर से लोकसभा सांसद ना बन पाए। चौधरी 2024 में लोकसभा चुनाव हार गए और कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया हैं। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला हो या फिर बिहार में लालू यादव, कांग्रेस की लगभग सभी सहयोगी पार्टियां राहुल गांधी के कन्फ्यूजन का फायदा उठाने का प्रयास करती रहती हैं। इसलिए यह सवाल बार-बार उठाया जाने लगा है कि क्या राहुल गांधी का यह कन्फ्यूजन कांग्रेस पार्टी को राजनीतिक रूप से डूबा कर ही मानेगा ?

एकात्मता के स्वर — गुरुग्रंथ साहब

परमसंत गुरुनानकदेव ने सिख परम्परा प्रारंभ की। इस परम्परा में दशवें और अंतिम गुरू गोविंद सिंह थे। प्रत्येक गुरु ने इस पवित्र विचार से प्रेरित परम्परा को केवल बढ़ाया ही नहीं बल्कि नयी-नयी बातें देकर विकसित भी किया। पंचम गुरु अर्जुनदेव ने गुरु नानक देव, गुरु अंगददेव, गुरु अमरदास, गुरु रामदास जी तथा अपनी वाणी को स्थान देकर ग्रंथ साहब का संकलन किया। गुरु गोविंद सिंह जी ने इसका विस्तार कर नवम् गुरु तेगबहादुर की वाणी को भी सम्मिलित किया। इसके अतिरिक्त सूरदास, पीपा, सेना, धन्ना, कबीर, रामानन्द, त्रिलोचन, रविदास, सदना, जयदेव, बेनी, शेख फरीद, भीखन, बाबा सुंदर जी, मीराबाई, भाई मरदाना, रायलवण्ड और अंत में भाटों की भी वाणियों दी गयी हैं। सम्पूर्ण गुरु ग्रंथसाहब में चौदह सौ तीस पन्ने होते हैं। चाहें वह किसी भी भाषा या किसी भी आकार में क्यों न छपा हो। ग्रंथ में इकतीस रागिनियाँ हैं। गुरु ग्रंथ साहब में दस हजार बार हरि नाम, चौबीस हजार बार राम नाम, पाँच सौ पचास बार पारब्रह्म, चार सौ बार ओमकार तथा तीन सौ पचास बार वेद-पुराण-स्मृति शास्त्र का उल्लेख आया है। कलियुग, धर्मराज, वैकुण्ठ, मोक्ष, यम, फाँसी, माया, लाख चौरासी, त्रिभुवन, चार आश्रम, रसातल, पाताल आदि शब्दों का कोई दो हजार बार उल्लेख हुआ है। भगवान् के सगुण तथा निर्गुण वाचक शब्द भी कहे गये हैं। सम्पूर्ण शास्त्रों का चिंतन गुरु ग्रंथ साहब में अभिव्यक्त हुआ है। ग्यारह सौ चौवन बार अवतार शब्द का उल्लेख है। प्रहलाद, अजामिल, द्रौपदी, गौतम नारी, अहल्या आदि को तारने की कथाओं का भी वर्णन है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

वृषभ के शरीर पर आपत्ति आने पर जिस प्रकार अपने सींगों द्वारा वह अपनी रक्षा किया करता है, इसी प्रकार यज्ञ में विधि विपर्यय से जो प्रत्यवाय हो उसे प्रायश्चित द्वारा दूर करना होता, अध्वर्यु आदि का कर्तव्य है।

मज्ञ का भाधार- जिसके सहारे पर उसे स्थिर रखना है, वह वेदत्रयी है। (इससे तर्क के आधार पर यज्ञ-विधान में न्यूनाधिक्य नहीं हो सकता- यह भली प्रकार ध्वनित हो जाता है)।

शरीर में अङ्ग शिर है, शिर के बिना समस्त अङ्ग व्यर्थ हैं इसी प्रकार सपत्नीक यजमान यज्ञ का शिर है (इससे यह बात बताई गई है कि यज्ञ में यजमान और यजमान-पत्नी दोनों का होना आवश्यक है। इसलिये मर्यादा-पुरुषोतम रामचन्द्र जी ने सीता-त्याग के अनन्तर जो यज्ञ किया था, उसमें पत्नी के स्थान में सुवर्णमयी प्रतिमा रखकर यज्ञ-विधि का पालन किया था अन्यथा यज्ञ होना ही असम्भव था)।

जिस प्रकार हाथ, कार्य सम्पादन का मुख्य साधन है, इसीप्रकार यज्ञ में गायत्री आदि छन्दोज्ञान परमावश्यक है। यज्ञ प्रातः मध्य सायं सवनत्रय से निबद्ध होना चाहिये - इत्यादि यज्ञोपयोगी अनेक शिक्षाएं इस अलंकारकल्पना से प्राप्त होती हैं।

इसी प्रकार धर्मपक्ष में ब्राह्मणादि वर्णों की इतिकर्तव्यता का यथावोग विवेचन कर लेना चाहिये।

बेद में परकीया-भाषा के अन्य भी बहुत से उदाहरण विद्यमान हैं । हम विस्तार-भय से उनका यहां खिखना अनावश्यक समझते हैं, तथापि एक आध संकेत किये देते हैं जिससे कि पाठकों के मनोरंजन के साथ 2 वेद पुराणादि की शैली समझने का भी अभ्यास बढ़ सके।

क्रमशः ...

दादा साहेब फाल्के कैसे बनें भारतीय सिनेमा के पितामह

अनन्या मिश्रा

देश-दुनिया के इतिहास में 16 फरवरी के दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। 16 फरवरी 1944 में इसी दिन हिंदी सिनेमा के पितामह कहे जाने वाले दादा साहेब फाल्के का निधन हुआ था। बता दें कि उन्होंने ही सिनेमा जगत के सुंदर अनुभव से लोगों को परिचित कराया था। दादासाहेब फाल्के को दुनिया में सबसे बड़ा मनोरंजन उद्योग विकसित करने का श्रेय दिया जाता है। दादा साहेब फाल्के ने ही देश की पहली फुल लेंथ फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र बनाई थी। जिसके बाद से फीचर फिल्मों का चलन लगातार बढ़ता चला गया। उनके सम्मान में फिल्म इंडस्ट्री में दादा साहब फाल्के अवॉर्ड को शुरू किया गया। यह सिनेमा जगत का सर्वोच्च अवॉर्ड है। इस अवॉर्ड के लिए किसे सम्मानित किया जाएगा, इसका फैसला समिति करती है। जिसमें भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होती हैं। फाल्के ने सिनेमा की दुनिया में उस दौरान कदम रखा जब अपने देश में सिनेमा का कोई अस्तित्व नहीं था।

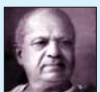

भारतीय सिनेमा के पितामह यानि की दादासाहेब फाल्के का असली नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के था। 30 अप्रैल, 1870 को महाराष्ट्र के नासिक में एक मराठी परिवार में उनका जन्म हुआ था। फाल्के के पिता संस्कृत के विद्वान थे। साल 1910 में मुंबई के अमरीका-इंडिया पिक्चर पैलेस में 'द लाइफ ऑफ क्राइस्ट' दिखाई गई। इस दौरान थियेटर में फिल्म देख रहे दादा साहेब को फिल्म इतनी पसंद आई कि वह थियेटर में तेज-तेज से तालियां पीटने लगे। तभी से उन्होंने निश्चय कर लिया था कि वह भी भारतीय धार्मिक और नाटकीय चरित्रों को रुपहले पर्दे पर जीवंत करेंगे।

जहां एक ओर दादा साहेब को अपना लक्ष्य बिल्कुल साफ नजर आ रहा था तो वहीं दूसरी ओर उन्हें फिल्म बनाने के लिए इंग्लैंड से फिल्म बनाने वाले कुछ उपकरण लाने थे। आप फिल्मों में उनकी शिद्दत का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि इस यात्रा में उन्होंने अपनी बीमा की पूरी राशि लगा दी थी। इंग्लैंड पहुंचते ही फाल्के साहेब ने सबसे पहले बाइस्कोप फिल्म पत्रिका की सदस्यता हासिल की। इसके बाद वह तीन महीने की यात्रा के बाद भारत वापस लौटे। इसके बाद फाल्के साहेब ने मुंबई में मौजूद सभी थियेटरों की सारी पिक्चरें देख डालीं। हर रोज शाम को वह 4 से 5 घंटे सिनेमा देखकर उनकी बारीकियों को समझते थे।

इसके बाद फाल्के साहेब ने पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र बनाई। इस फिल्म का न सिर्फ दादा साहेब ने निर्माण किया, बल्कि फिल्म के निर्देशक, कॉस्ट्यूम डिजाइन, लाइटमैन और कैमरा डिपार्टमेंट भी उन्होंने ही संभाला। इस फिल्म के लेखक भी वही थे। बता दें कि उनकी इस फिल्म को कोरोनेशन सिनेमा बॉम्बे में 3 मई 1913 को रिलीज किया गया था। दादा साहेब फाल्के ने राजा हरिश्चंद्र की सफलता के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1969 में भारत सरकार ने उनके सम्मान में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड शुरू कर दिया। यह प्रतिष्ठित सम्मान सबसे पहले देविका रानी चौधरी को मिला। दादा साहेब फाल्के के सम्मान में भारतीय डाक ने एक डाक टिकट भी जारी किया।

मोदी की अमेरिका यात्रा से उम्मीदें

अवधेश कुमार

संपूर्ण विश्व की दृष्टि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत तथा प्रतिफलों पर लगी है। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस में एआइ शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता करने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आमंत्रण पर अमेरिका गये हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप अवैध आप्रवासन, व्यापार घाटा, आतंकवाद, वैश्विक संघर्ष, पश्चिम एशिया, यूएस एड आदि को लेकर जिस आक्रामकता और तीव्र गति से कदम उठा रहे हैं, उसमें यात्रा की गंभीरता काफी बढ़ गयी है। प्रधानमंत्री की यात्रा से पूर्व अमेरिका के सैन्य विमान से हथकड़ी लगाकर वापस किये गये अवैध भारतीय आप्रवासियों का मुद्दा भारत में कितना गर्म हुआ यह बताने की आवश्यकता नहीं है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की यात्रा में यह विषय उठाया जायेगा।

अवैध प्रवासियों वाले देशों पर ट्रंप ने पहले दिन से निशाना साधा और अपनी घोषणा के अनुरूप उनको पकड़कर कैदियों की तरह विमान से देश में भेजना शुरू किया। व्यापार घाटा भी इसी से जुड़ गया। ट्रंप ने चीन से आने वाली सामग्रियों पर 10 प्रतिशत तथा मेक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया। हालांकि भारत को लेकर ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। नहीं, आप्रवासियों के मुद्दे पर अवश्य उन्होंने आक्रामकता दिखायी है। तो प्रधानमंत्री के दौरे एवं ट्रंप काल में भारत-अमेरिकी संबंधों पर विचार करते समय इस पहलू का ध्यान रखना होगा।

ट्रंप ने ब्राजील के नागरिकों को भी इसी तरह वापस भेजा जिस पर ब्राजील ने विरोध जताया। भारत की ओर से ऐसा नहीं किया गया। यहां तक कि

संसद में विदेश मंत्री ने आंकड़े प्रस्तुत किये जिनसे पता चलता है कि हर कार्यकाल में अमेरिका से आप्रवासियों को वापस भेजा गया है। किंतु इस तरह हथकड़ी लगाकर सैन्य विमान से भेजने का पहला मामला है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के समक्ष मामला उठाया गया है। क्या हम विश्व में इस प्रकार से किसी देश में अवैध घुसपैठ को प्रोत्साहित कर सकते हैं? हमारा कोई नागरिक अगर वीजा लेकर उचित रास्ते से अमेरिका या किसी देश में जाए और वहां उसके साथ अमानवीय या किसी तरह के अंतरराष्ट्रीय मानक के विपरीत व्यवहार हो, तो भारत अवश्य सीना ठोक कर खड़ा होगा। भारत अमेरिका से बात कर सकता है कि जो भी अवैध रूप से आये हैं, उन्हें हम वापस लेंगे जिसका तरीका ज्यादा मानवीय और न्यायोचित हो। वास्तव में, अवैध घुसपैठ या आप्रवास हर देश में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपराध है। कोई देश अपने ऐसे नागरिकों के साथ खड़ा नहीं हो सकता, न इसका समर्थन कर सकता है।

हालांकि, जैसे अवैध रूप से किसी देश में घुसना अस्वीकार्य है, वैसे ही इस तरह का व्यवहार भी। ऐसा लगता है कि ट्रंप इस तरह के अतिवादी कदमों से उन लोगों को भयभीत करना चाहते हैं जो अवैध तरीके से उनके देश में आने या घुसने की सोच रहे होंगे या कोशिश कर रहे होंगे। जिन देशों से ज्यादा अवैध लोग आ रहे हैं, वहां के नेतृत्व पर भी दबाव डालने की रणनीति दिखाई देती है। अमेरिका में एक करोड़ के आसपास आप्रवासी अवैध रूप से हैं। इनको वापस करना आसान नहीं है। सैनिक जहाज या अपने नागरिक विमान से भी वापस करने में बहुत समय लगेगा। सैन्य विमान में वैसे भी जबरदस्त खर्च आता है और स्वयं अमेरिका की वित्तीय स्थिति लंबे समय तक इसे जारी रखने की अनुमति नहीं देती। तो ऐसा सतत होगा यह नहीं माना जा सकता। इसका रास्ता निकालना पड़ेगा। अमेरिका के साथ व्यापार में सर्वाधिक लाभ को देखते हुए भारत नहीं चाहेगा कि किसी तरह का व्यापारिक तनाव हो और अत्यधिक सीमा शुल्क की व्यवस्था से हमें क्षति पहुंचे। भारत ने अमेरिका के साथ संबंधों की गंभीरता को देखते हुए संयम का परिचय दिया और यह उचित ही है। भारतीय राजनयिक ट्रंप की रणनीति को समझ चुके हैं। मेक्सिको, चीन, ब्राजील, कोलंबिया सबके विरुद्ध उन्होंने घोषणाएं कीं और अब उन पर भी शांत हैं, कुछ कदम वापस भी लिया है। ट्रंप भारत पर अन्य देशों की तरह आयात शुल्क ठोकने से बचेंगे, क्योंकि उन्हें पता है कि भारत को रक्षा और संवेदनशील तकनीक सहित गैस आदि की जरूरत है। वह अमेरिका से खरीद कर क्षतिपूर्ति कर सकता है। भारत की नीति अपना वैश्विक व्यापार बढ़ाने, अधिकाधिक निवेश भारत लाने, एआइ के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करते हुए उसका हित में उपयोग के लिए ढांचा खड़ी करने तथा बढ़ती अंतरराष्ट्रीय जटिलताओं के मध्य प्रमुख देशों से रणनीतिक और सामरिक साझेदारी को सशक्त करने की है।

ट्रंप एवं उनके सलाहकारों के पास इतनी समझदारी है कि बगैर पूरी योजना, अन्य देशों की सहमति और साझेदारी के एक सीमा से ज्यादा चीन आदि से टकराव लाभकारी नहीं होगा। हिंद-प्रशांत से लेकर अरब सागर, लाल सागर सब में आपूर्ति-श्रृंखला पर चीन के बढ़ते आधिपत्य को रोकने के लिए कदम उठाना ही होगा। बगैर भारत के सहयोग के यह संभव नहीं है। ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह समझौता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन अमेरिका ईरान के विरुद्ध प्रतिबंधों को लेकर भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। हमारी पूरी कोशिश यही है कि ईरान से संबंधों के आधार पर ट्रंप प्रशासन भारत पर किसी तरह का प्रतिबंध न लगाये। भारत अवैध आप्रवासियों को वापस लेने को तैयार है तो अमेरिका को इसका रास्ता निकालने में समस्या नहीं होनी चाहिए। जहां तक सीमा शुल्क का प्रश्न है, तो भारत ने केंद्रीय बजट में अनेक उत्पादों पर आयात शुल्क और ड्यूटी घटाने का प्रावधान किया है। इससे अनेक अमेरिकी उत्पादों और कंपनियों को राहत मिली है। सिख अलगाववादियों और अतिवादियों के साथ अमेरिकी भूमि पर भारत विरोधियों की गतिविधियां हमारे लिए चिंताजनक हैं। भारत की अपेक्षा है कि ट्रंप प्रशासन उन पर हमारी भावनाओं का सम्मान करे। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते संघर्ष तथा पहले से उलझे मुद्दों के और उलझने के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल की स्थिति है। यह भारत और अमेरिका दोनों के लिए चिंताजनक है। भारत जैसे देश के महत्व को ट्रंप समझते हैं और भारत भी अमेरिका की आवश्यकता को।

आज का इतिहास

1906 ब्रिटिश लेबर पार्टी की स्थापना हुई।
1926 ऑर्फियम थियेटर लॉस एंजिल्स में खोला गया
1926 अमेरिका में अनुबंध एयर मेल सेवा की शुरूआत हुई।
1936 रूस के चिकित्सक और जीव वैज्ञानिक पेट्रोविच पावलोफ़ का 87 वर्ष की आधु में निधन हुआ।
1945 जर्मनी ने पूर्वी मोर्चा पर ऑपेशन संक्रांति शुरू की।
1949 जेराल्ड के वेस्ट बैंक क्षेत्र में क्यूमरान गुफाओं की गेराल्ड लैकेस्टर हार्डिंग और रोलैंड डी वॉक्स ने उत्खनन गुफा 1 की खुदाई शुरू की, जो पहले सात डेड सी स्क्रॉल का दीक्षांत समारोह था।
1954 कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दूर के अर्ली वार्निंग लाइन, कनाडा और अलास्का के सुदूर उत्तरी आर्कटिक क्षेत्रों में रडार स्टेशनों की एक प्रणाली के निर्माण के लिए सहमत हैं।
1957 आंद्रेई ग्रोमीको सोवियत संघ के विदेश मंत्री बने।
1961 बेल्जियम में बोइंग 707 विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 73 लोगों की मौत हुई।
1965 मैपल (एक प्रकार का छायादार वृक्ष) के पत्ते को कनाडा के आधिकारिक ध्वज में स्थान मिला।
1976 सोवियत संघ और पूर्वी ब्लॉक देशों के आधार पर सरकार और कानून की एक प्रणाली प्रदान करने वाले क्यूबा के वर्तमान संविधान को एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह द्वारा अपनाया गया था।
1979 डॉन डंस्टन ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दे दिया, व्यापक सामाजिक उदारीकरण को समाप्त कर दिया।
1989 सोवियत संघ ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उसके सभी सैनिक नौ साल के संघर्ष के बाद अफगानिस्तान से वापस आ गए।
1991 ट्रॉय स्टेट सेटा एनसीएए डिव II को दूसरे स्थान पर 103 अंक के साथ 187-117 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रखा गया।
1995 चीन में पीपल्स रिपब्लिक की जनसंख्या 1.2 बिलियन है।
1995 उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वाधिक वांछित कंप्यूटर हैकर केविन मिटनिक को गिरफ्तार किया गया और कंप्यूटर धोखाधड़ी और वायर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए।

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत व सपा की राह कठिन

मृत्युंजय दीक्षित

जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने का दंभ भरा। लोकसभा में सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो मानो प्रदर्शनी लगा दी गई बड़बोले नेताओं ने उनको अयोध्या का रजा तक कह दिया।

फैजाबाद संसदीय सीट की हार और अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहे जाने से सनातन समाज में दुःख, निराशा और क्षोभ था। मिल्कीपुर को सनातनी हिन्दुओं ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि सनातनधर्मी प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि जब से सपा मुखिया और कांग्रेस ने अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहना आरम्भ किया तभी से इनकी राजनीति गड़बड़ाने लगी।अब तक प्रदेश में 11 विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है।

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का बयान आता था कि योगी जी जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। मिल्कीपुर की जनता ने सपा के परिवारवाद और जातिवाद को नकार दिया है। परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि योगी का बटेंगे तो कटेंगे का नारा जातिवाद के विरुद्ध हिंदुत्व की राजनीति को ताकत दे रहा है। इस विजय से भाजपा के लिए एकजुट हिंदुत्व की राजनीति के पथ पर आगे बढ़ना आसान हो गया है।

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है ।इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया।1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है।

मिल्कीपुर चुनाव से पूर्व प्रयागराज महाकुम्भ-2025 में योगी कैबिनेट ने एक साथ गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर मीडिया जगत और जनमानस में इस बात का संदेह पूरी तरह से दूर कर दिया कि योगी कैबिनेट व भाजपा में आपस में कोई मतभेद व मनभेद है। मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही। चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला अपने आप गायब हो गया। इस प्रकरण में अवधेश प्रसाद के आंसू भी निकले और खूब निकले यहां तक की मीडिया में बार-बार दिखाया भी गया, मतदान के दिन अवधेश प्रसाद ने एक वीडियो बनवाकर चलवाया जिसमें वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे, किन्तु ऐसी कोई भी ट्रिक इस चुनाव में नहीं चली। मिल्कीपुर की जनता ने इस बार लोकसभा की गलती को ठीक करने का मन बना लिया था।

मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। महाकुंभ-2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है। हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

धर्म के आधार पर नहीं की जानी चाहिए चुनावी राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

राजधानी दिल्ली के मतदाताओं ने इस बार आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपने से इनकार कर दिया है। भारी बहुमत के साथ जीत हुई है भाजपा की। जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा के हर छोटे-बड़े नेता ने चुनाव पूर्व मतदाताओं को दी गई गारंटियों को पूरा करने का आश्वासन दुहराया है। चुनाव पूर्व किए गए वादे पूरे होने भी चाहिए। ऐसे में चुनाव जीतने वाले नेताओं का कर्तव्य बनता है कि वह अपने मतदाता को आश्वस्त करें। ऐसी ही एक आश्वस्ति मुस्तफाबाद चुनाव-क्षेत्र के विजयी भाजपा उम्मीदवार ने बड़े जोर-शोर से दुहराई है। उन्होंने वादा किया था यदि वे चुनाव जीत गए तो इलाके का नाम मुस्तफाबाद नहीं रहने देंगे। उनका कहना है कि वह हर कीमत पर अपना वादा पूरा करेंगे-यानी अपने चुनाव-क्षेत्र का नाम बदलवाएंगे। उन्होंने मुस्तफाबाद का नया नाम भी बता दिया है- शिवपुरी या शिवविहार। इलाके को शिव से जुड़ा नाम देने की कोई वजह तो उन्होंने नहीं बताई, पर यह जरूर कहा है कि यदि इलाके के हिंदुओं की संख्या इतनी ज्यादा है तो नाम मुस्तफाबाद यानी मुसलमान के नाम पर क्यों है? बताया जा रहा है कि मुस्तफाबाद में मुसलमान 42 प्रतिशत हैं और हिंदू 58 प्रतिशत! इसके साथ ही विजयी उम्मीदवार ने यह कहना भी जरूरी समझा है कि इलाके का यह नाम बहुसंख्यकों को डराता है उनका कहना यह भी है कि इलाके के कुछ हिस्सों में जाते हुए लोग (पढ़िए हिंदू) डरते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि मुसलमानी नाम होने के कारण क्षेत्र का अपेक्षित विकास भी नहीं हो पा रहा! नवनिर्वाचित नेताजी का यह तर्क परेशान करने वाला है। पता नहीं यह नाम क्यों रखा गया था, पर अब नाम बदलने के लिए जो तर्क दिया जा रहा है वह परेशान करने वाला है। तर्क दिया जा रहा है कि इस नाम के कारण यहां आने-रहने में लोग डरते हैं। डर के मारे बच्चियां यहां के कुछ रास्तों से स्कूल नहीं जातीं। लोग व्यापार-व्यवसाय के लिए भी इस नाम के कारण बिदकते हैं। 'मुसलमानी नाम' से यह शिकायत समझ नहीं आती। यह सही है कि हिंदुओं और मुसलमानों के नाम में अंतर होता है, पर जगहों के नाम धर्म विशेष के आधार पर रखे जाएं या धर्म के आधार पर रहवासियों की अच्छाई-बुराई का निर्धारण हो, यह स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। मुस्तफाबाद का नाम बदलने का विधायकजी का वादा शायद कल पूरा भी हो जाए। बहुसंख्यकों के तर्क का सहारा लेकर इस बदलाव का औचित्य भी सिद्ध किया जा सकता है, पर यह सवाल तो अपनी जगह है ही कि संविधान और कानून के आधार पर चलने वाले हमारे बहुधर्मी देश में धर्म के आधार पर किसी को अच्छा या बुरा कैसे समझा रहा है? हमारा संविधान सब धर्मों की समानता की बात करता है। हर एक को अधिकार है कि वह अपने धर्म का पालन करे, उसके अनुरूप आचरण करे, उसके विस्तार का प्रयास करे, पर किसी को यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरे के धर्म को 'घटिया' या 'छोटा' दिखाने-बताने की कोशिश करे। धर्म के आधार पर कोई अच्छा या बुरा नहीं होता। अच्छा या बुरा व्यक्ति अपने आचरण से बनता है। आवश्यकता आचरण की शुद्धि की है। शुद्ध आचरण का अर्थ है अपने सोच और व्यवहार को मानवोचित रखना।

संस्कृत के खिलाफ जहर उगलने वाले दयानिधि मारन

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु में सत्तारुढ़ द्रमुक के नेता लगातार सनातन धर्म का अपमान करते रहे हैं। इस पार्टी के नेता सड़क से लेकर संसद तक कभी हिंदुत्व के खिलाफ बोलते हैं तो कभी उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति करने लगते हैं। यही नहीं, इसी पार्टी के एक नेता ने तो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के सामने ही अलगाववादी बयान देते हुए %अलग तमिलनाडु% की मांग के बारे में विचार करने तक की बात कह डाली थी। द्रमुक की इस नफरत भरी राजनीति को आगे बढ़ाने का काम अब पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन ने किया है। उन्होंने संसद के भीतर चिल्ला चिल्ला कर और जिस आवेश में संस्कृत भाषा पर हमला बोला उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया क्योंकि दुनिया की सबसे प्राचीन और हर भाषा की जननी माने जाने वाली संस्कृत के खिलाफ ऐसी नफरत पहले किसी नेता ने नहीं उगली थी। हालांकि जैसे ही मारन ने यह हमला किया वैसे ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मारन पर तगड़ा पलटवार कर दिया था। वैसे यह हैरानी भरी बात है कि अपनी द्रविड़ पहचान बताने वाली अधिकांश द्रविड़ पार्टियाँ यह नहीं जानतीं कि द्रविड़ तमिल शब्द नहीं है। यह एक संस्कृत शब्द है जिसकी अंग्रेजों द्वारा गलत व्याख्या बांटो और राज करो की नीति के तहत की गयी थी।

द्रमुक नेताओं को यह भी समझना होगा कि तमिल गौरव की बात करने भर से काम नहीं चलेगा। यह देखना होगा कि तमिल गौरव बढ़ाने का काम सबसे ज्यादा किसने किया है। द्रमुक नेताओं को देखना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक तमिल गौरव को बरकरार रखा है। उन्होंने नए संसद भवन में तमिल सेनगोल स्थापित किया और भारत मंडपम के सामने नटराज की प्रतिमा (भगवान शंकर की नटराज प्रतिमा, जो महान चोल राजाओं द्वारा निर्मित तंजावुर में मिली) स्थापित की। देखा जाये तो राष्ट्रीय स्तर पर तमिल गौरव को इससे अधिक मान्यता पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन इन पार्टियों को तमिल सांस्कृतिक गौरव में कोई दिलचस्पी नहीं है, वे तो बस राजनीतिक विभाजन में अधिक रुचि रखते हैं।

संस्कृत पर होने वाले खर्च को पैसे की बर्बादी बताने वाले दयानिधि मारन को पता होना चाहिए कि भारत की सबसे प्राचीन भाषा संस्कृत है। यह एक ऐसी भाषा भी है जिससे असंख्य भाषाएँ निकली हैं। यही नहीं आज के आधुनिक दौर में भी लगभग हर क्षेत्र में संस्कृत की प्रासंगिकता पूरी तरह बनी हुई है। संस्कृत को भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। इस जननी ने सिर्फ भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी भाषाओं को जन्मा है। देश में तो कुछ राज्यों की यह आधिकारिक भाषा भी है। भारत के प्राचीन ग्रंथ और वेद पुराण आदि सभी संस्कृत में ही लिखे गये हैं। महाभारत काल में भी वैदिक संस्कृत का उपयोग किया जाता था।

जहां तक दयानिधि मारन के विवादित बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण लोकसभा की कार्यवाही का संस्कृत में अनुवाद करके करदाताओं का पैसा बर्बाद किया जा रहा है, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पलटवार करते हुए कहा कि संस्कृत भारत की मूल भाषा रही है। बिरला ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मारन पर निशाना साधते हुए कहा, आप किस देश में रह रहे हैं? यह भारत है। भारत की मूल भाषा संस्कृत रही है।

दयानिधि मारन की ओर से संस्कृत पर की गयी अनुचित टिप्पणियों का मुद्दा अब राजनीतिक रूप से तूल ले चुका है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा की कार्यवाही का एक साथ अनुवाद उपलब्ध कराए जाने वाली भाषाओं में संस्कृत को शामिल करने की मारन द्वारा की गई आलोचना को अनुचित करार देते हुए साफ कहा है कि एक भाषा को बढ़ावा देने के लिए दूसरी भाषा को कमतर करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधान ने कहा है कि संस्कृत पर दयानिधि मारन की अनुचित टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि भारत की भाषाई विरासत की बात आने पर द्रमुक के चुनिंदा आक्रोश, पाखंड और दुष्प्रचार को भी उजागर करती है। उनका कहना है कि दरअसल विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होना करदाताओं के पैसे की वास्तविक बर्बादी है। यही नहीं, धर्मेंद्र प्रधान ने ओम बिरला की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने भारतीय भाषाओं के बीच नफरत फैलाने और फर्जी विभाजन पैदा करने के इस प्रयास की उचित रूप से निंदा की है।

हम आपको बता दें कि यह सारा विवाद तब खड़ा हुआ था जब मंगलवार को प्रश्नकाल समाप्त होने के तुरंत बाद बिरला ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि छह और भाषाओं- बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू- को उन भाषाओं की सूची में शामिल कर लिया गया है, जिनमें सदस्यों के लिए एक साथ अनुवाद उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी और हिंदी के अलावा असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में भी अनुवाद उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि ओम बिरला के वक्तव्य में संस्कृत शब्द को सुनते ही दयानिधि मारन का खून खौल उठा और वह आवेश में आ गये। दयानिधि मारन की यह अवस्था इस बात की जरूरत पर बल देती है कि उन्हें मन को शांति और तन को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाली संस्कृत भाषा का अध्ययन कराया जाये।

दिल्ली के सीएम चेहरे से देश में भी समीकरण साधेगी भाजपा

राज कुमार सिंह

मतदाताओं ने तो पिछले सप्ताह ही भाजपा के पक्ष में जनादेश दे दिया था, लेकिन नए मुख्यमंत्री के लिए दिल्ली को अगले सप्ताह तक इंतजार करना पड़ सकता है। 8 फरवरी को आए चुनाव परिणामों में भाजपा को 70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा में 48 सीटों के साथ जबर्दस्त बहुमत मिला है। फिर भी नया मुख्यमंत्री चुनने में समय लग रहा है तो सबसे बड़ा कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेश यात्रा पर होना है। चुनाव से पहले भाजपा ने किसी को 'सी.एम.' फेस घोषित नहीं किया था। इसलिए मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की सूची लंबी है। सबके पक्ष में अपने-अपने तर्क हैं, लेकिन लाटरी उसी की खुलेगी, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी सहमति होगी। लगभग 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में लौट रही भाजपा इस जीत से देशव्यापी संदेश देना चाहती है। इसलिए मुख्यमंत्री के चयन से भी भविष्य के चुनावी समीकरण साधने की कोशिश की जाएगी। कुछ महीने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं आतिशी को अपवाद मान लें तो 1998 से नई दिल्ली विधानसभा सीट से जीतने वाला विधायक ही मुख्यमंत्री बनता रहा है, पर प्रवेश वर्मा के पक्ष में इसके अलावा भी कुछ तर्क हैं।

दिल्ली में भाजपा के मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें टिकट न देकर इसी महीने हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध 'ट्रंप कार्ड' की तरह इस्तेमाल किया गया। जिन केजरीवाल का करिश्मा 'आप' के लिए पंजाब से गुजरात और गोवा तक कारगर रहा, उन्हें उनकी परंपरागत नई दिल्ली विधानसभा सीट से ही हराने में प्रवेश वर्मा कामयाब भी रहे। बेशक प्रवेश वर्मा की जीत का जितना अंतर रहा, उससे ज्यादा वोट पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित पाने में सफल रहे। प्रवेश के पक्ष में तर्क यह भी है कि वह जाट समुदाय से हैं, जो किसान आंदोलन समेत कुछ मुद्दों पर भाजपा से नाराज माना जा रहा है। प्रवेश वर्मा को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने से भाजपा को हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी चुनावी लाभ मिल सकता है, जहां जाट मतदाता अच्छी-खासी संख्या में हैं। चुनावी समीकरणों की दृष्टि से ही मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम भी दावेदारों में है।

दिल्ली में तो सिख मतदाता अच्छी संख्या में हैं ही, सिरसा को मुख्यमंत्री बना कर भाजपा पंजाब में भी चुनावी लाभ उठा सकती है। कांग्रेस से आए पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए अपेक्षित सिख समर्थन नहीं जुटा पाए। उनकी पत्नी परनीत कौर तक परंपरागत सीट पटियाला से हार गईं। इसीलिए कांग्रेस से आए रवनीत सिंह बिट्टू को, लोकसभा चुनाव हार जाने के बावजूद केंद्र में राज्य मंत्री और फिर बाद में राज्यसभा सांसद बनाना पड़ा। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के तीनों सिख उम्मीदवार जीत गए। राजौरी गार्डन विधानसभा सीट से जीते मनजिंदर सिंह सिरसा को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना कर भाजपा पंजाब समेत देश भर में सिख समुदाय को सकारात्मक संदेश दे सकती है। फिलहाल पंजाब में 'आप' की प्रचंड बहुमत वाली सरकार है और कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है।

117 सदस्यों वाली पंजाब विधानसभा में भाजपा के पास मात्र 2 विधायक हैं। चुनावी समीकरण के लिहाज से ही मनोज तिवारी भी दौड़ में हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी रह चुके भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी दिल्ली के एकमात्र सांसद रहे, जिनका टिकट पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में नहीं काटा गया। अगर मनोज तिवारी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया तो उन्हें 6 महीने के अंदर ही विधानसभा चुनाव लड़ना पड़ेगा। उनका नाम दावेदारों में इसलिए शामिल माना जा रहा है कि दिल्ली में पूर्वांचली बड़ा वोट बैंक है तथा उनसे उत्तर प्रदेश और बिहार में चुनावी लाभ मिल सकता है। बिहार में तो इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। फिलहाल बिहार विधानसभा में 78 सीटों के साथ भाजपा दूसरा बड़ा दल है और 43 सीटों वाले जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने को मजबूर है। भाजपा बिहार में अकेले दम 100 सीटों का आंकड़ा पार करना चाहती है, ताकि अपना मुख्यमंत्री बनाने की जुगाड़ बिठा सके। हालांकि दुष्यंत गौतम करोल बाग से विधानसभा चुनाव हार गए, लेकिन फिर भी वह मुख्यमंत्री की दौड़ में माने जा रहे हैं। मोदी और शाह के भरोसेमंद माने जाने वाले दुष्यंत गौतम भाजपा का दलित चेहरा हैं। इसीलिए उन्हें एक बार हरियाणा से राज्यसभा सदस्य भी बनाया जा चुका है।इसके अलावा दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष रह चुके विजेंद्र गुप्ता, शालीमार बाग से विधायक रेखा गुप्ता, शिखा राय, पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना के विधायक बेटे हरीश खुराना, दिल्ली की एक और भाजपाई मुख्यमंत्री रहीं सुषमा स्वराज की सांसद बेटी बांसुरी स्वराज तथा सतीश उपाध्याय भी मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शामिल हैं।

पंजाबी और वैश्य समुदाय दिल्ली में भाजपा का परंपरागत वोट बैंक रहा है। वैसे महाराष्ट्र को अपवाद मान लें तो मोदी-शाह की जोड़ी मुख्यमंत्री चयन से चौंकाती रही है। ऐसे में उन स्मृति ईरानी का दांव भी लग सकता है, जिनका नाम दिल्ली में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले मुख्यमंत्री चेहरे के लिए जोर-शोर से चला था। अगर भाजपा स्मृति ईरानी पर दांव लगा कर महिलाओं को गोलंबद करना चाहती है तो वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी।

केजरीवाल की हार पर जश्न क्यों?

बलबीर पुंज

अपने 50 वर्षों से ज्यादा के सार्वजनिक जीवन में मैंने लोगों को अपने पसंदीदा राजनीतिक दल या उसके नेता की विजय पर जश्न मनाते कई बार देखा है। परंतु किसी नेता या उसकी पार्टी की हार पर लोगों को नाचते-गाते और उत्सव मनाने का साक्षी 2 बार रहा हूं। इस प्रकार का पहला मौका मेरे जीवन में 1975-77 के आपातकाल के बाद हुए लोकसभा चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पारंपरिक रायबरेली सीट से हारने और देश से कांग्रेस का जनता द्वारा सूपड़ा साफ करने के समय आया था। दूसरा अवसर गत 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के घोषित नतीजे के वक्त आया, जिसमें लोगों ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपनी सीट (नई दिल्ली) से, तो आम आदमी पार्टी ('आप') के पराजित होने की खबर सुनी। इंदिरा की हार को जहां अधिनायकवाद और वंशवाद के पराजय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वहीं, केजरीवाल की शिकस्त को भारतीय राजनीति में एक गंभीर बीमारी के निदान के तौर पर देखा जा रहा है।

आखिर इसका कारण क्या है? चुनाव के दौरान लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां तरह-तरह के लोक-लुभावन वादे और घोषणाएं करती हैं। दल अपने वैचारिक दृष्टिकोण को जनता के सामने रखते हैं। कई बार वादे-घोषणाएं पूरे नहीं होते। तब ऐसे नेताओं-दलों पर अक्सर वादाखिलाफी का आरोप लगाया जाता है। इस संबंध में 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वे न केवल जनता से किए वायदों और घोषणाओं को पूरा करने से चूके, बल्कि वे अपने घोषित मूल्यों-विचारों के उलट भी काम करते रहे। केजरीवाल ने वो सब किया, जिसे वे 2011-12 के अपने राजनीतिक उद्गमकाल में अनैतिक और गैर-जरूरी बताते हुए उसे भारतीय राजनीति में कैंसर के रूप में परिभाषित करते थे। यूं कहें कि देश की राजनीति में जिस 'कीचड़' को साफ करने की घोषणाएं केजरीवाल किया करते थे, उसी 'कीचड़' में वे न सिर्फ बुरी तरह धंसते गए, बल्कि उसमें अन्य गंदगी को भी बढ़ा दिया। जब 'आप' का जन्म हुआ, तब केजरीवाल सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने दावा किया कि वे राजनीतिक शुचिता, नैतिकता, ईमानदारी के नए आयाम गढ़ेंगे, सुविधा युक्त सरकारी आवास-वाहन आदि नहीं लेंगे और भाजपा-कांग्रेस के साथ कोई राजनीतिक समझौता नहीं करेंगे। परंतु यह सब छलावा निकला।

केजरीवाल गांधीवादी अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल समर्थक आंदोलन (2011) के 'सह-उत्पाद' हैं। परंतु उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में गांधीवादी सिद्धांतों को कुचलते हुए न सिर्फ दिल्ली में नई आबकारी नीति के माध्यम से देश की राजधानी में शराब की दुकानों को 350 से बढ़ाकर लगभग दोगुना कर दिया। यह दिलचस्प है कि जो केजरीवाल अपनी राजनीति की शुरूआत में मात्र एक आरोप पर इस्तीफा मांग लेते थे, उन्होंने अपनी गिरफ्तारी के 180 दिन बाद न्यायिक-संवैधानिक बाध्यता के कारण मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। इसपर मुझे 3 दशक पुराना घटनाक्रम याद आता है ।जब 1990 के दशक में विपक्ष में रहते हुए जैन हवाला कांड में भाजपा के दीर्घानुभवी नेता लालकृष्ण अडवानी का नाम जुड़ा, तब उन्होंने अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता को अक्षुण्ण रखने हेतु वर्ष 1996 में लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया और निर्दोष सिद्ध होने तक संसद न जाने का प्रण लिया। जब अदालत ने अडवानी को बेदाग घोषित किया, तब उन्होंने 1998 में चुनावी राजनीति में वापसी की। वहीं केजरीवाल-सिसौदिया हैं, जो शराब घोटाला मामले में जमानत पर बाहर होने पर फिर से क्रमशः मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री बनने की बात कर रहे थे।

लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली के मतदाताओं ने भाजपा पर अधिक विश्वास क्यों किया? अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में भाजपा की कथनी-करनी में फर्क कम दिखता है। मई 2014 से भाजपा ने जहां अपने घोषणापत्र के अनुरूप धारा 370-35ए का क्षरण और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण आदि का वादा पूरा किया, वहीं बिना किसी मजहबी-जातिगत भेदभाव, भ्रष्टाचार और मौद्रिक-रिसाव के करोड़ों लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस दुविधा में थी। उसे बहुत समय तक यह समझ नहीं आया कि 'आप' उसकी विरोधी है या सहयोगी। इसी भ्रम में वह एक कदम बढ़ाकर केजरीवाल को 'राष्ट्रविरोधी' कहती, तो एकाएक दो कदम भी पीछे खींच लेती। जितनी देर में कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी को 'आप' शासित पंजाब में कांग्रेस की बढ़ती संभावना के बारे में समझ आया और उन्होंने दिल्ली में 'आप' के खिलाफ प्रचार शुरू किया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आम जनता ने कांग्रेस को 'आप' का कोई गंभीर विकल्प नहीं समझा।

नतीजों के बाद अधिकांश मोदी-विरोधियों का आकलन है कि यदि कांग्रेस-'आप' मिलकर चुनाव लड़ते, तो परिणाम कुछ और होते। यह धारणा ही गलत है कि जो वोट कांग्रेस को गए, वह गठबंधन की सूरत में 'आप' को स्वतः हस्तांतरित हो जाते। अधिकांश कांग्रेसी मतदाता 'आप' के खिलाफ अपनी पार्टी के विकल्प के रूप में संभवतः भाजपा को चुनते। आज जो मतदाता भाजपा को वोट देते हैं, उनमें बहुत से कभी कांग्रेस समर्थक थे।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियो के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हें कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालो में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने मे मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नही पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट मे शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल मे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल मे विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते है।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमे एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते है। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों मे कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते है, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भयंकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरो को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसो पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थों से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नही करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

26/11 हमले का मास्टरमाइंड आएगा भारत

मुंबई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान डोनाल्ड ट्रंप संग ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया। तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि अमेरिका 26/11 हमले की साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर सहमत हो गया है। मैं इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। इससे पहले, हमने एक ऑनलाइन जांच की थी, जिसमें हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ साबित हुआ था। वह अमेरिका के संरक्षण में था, और वे उसके प्रत्यर्पण के लिए तैयार नहीं थे। पीएम मोदी के प्रयासों के बाद, राष्ट्रपति ट्रम्प इस पर सहमत हुए हैं। मैं इसे बहुत महत्वपूर्ण मानता हूं। ट्रंप ने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण यहां मंजूर किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मेरे प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं में से एक (तहव्वुर राणा) के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है।

राहुल ने अडाणी मामले को लेकर मोदी पर साधा निशाना

नईदिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में गौतम अडानी पर अभियोग मामले पर सवाल खारिज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इसे निजी मामला बताकर अपने दोस्त को बचा रहे हैं। राहुल ने एक्स पर लिखा कि देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला! अमेरिका में भी मोदी जी ने अडानी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया! जब मित्र का जेब भरना मोदी जी के लिए राष्ट्र निर्माण है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। अमेरिका के दौरे पर गए पीएम मोदी ने इस सवाल को खारिज कर दिया कि क्या उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ गौतम अडानी अभियोग मुद्दे पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, भारत एक लोकतंत्र है और हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। मेरा मानना है कि हर भारतीय मेरा है।

भाजपा ने बताई मणिपुर में क्यों लगा राष्ट्रपति शासन?

नईदिल्ली। एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के चार दिन बाद, केंद्र ने गुरुवार को घोषणा की कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है और राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है। बड़ा सवाल ये है कि आखिर भाजपा वहां सरकार बनाने में क्यों कामयाब नहीं हो पाई। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि मणिपुर के राज्यपाल की रिपोर्ट के बाद भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर की विधानसभा को निलंबित कर दिया है। मतलब, कि परिस्थितियों के आधार पर भारत के राष्ट्रपति जब भी उचित समझें, भविष्य में किसी भी तारीख पर मणिपुर की विधानसभा को पुनर्जीवित किया जा सकता है। जहां तक भाजपा का सवाल है, हम राज्य में शांति के निरंतर प्रयासों और मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कोई समझौता नहीं होगा। मणिपुर में किसी भी तरह की अवैध घुसपैठ की अनुमति नहीं दी जाएगी और इससे सख्ती से निपटा जाएगा।

फिर बढ़ेगी आप नेता सत्येंद्र जैन की मुश्किलें

नईदिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने राष्ट्रपति से दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ अभियोजन मंजूरी देने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने कहा कि मंत्रालय ने 60 वर्षीय राजनेता के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी है। उन्होंने कहा कि मंजूरी के लिए अनुरोध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच और पर्याप्त सबूत की मौजूदगी के आधार पर किया गया था। जैन पर प्रवर्तन निदेशालय ने कथित हवाला लेनदेन से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में मामला दर्ज किया था और मई 2022 में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल जमानत पर बाहर जैन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप पत्र दायर किया है। मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला अगस्त 2017 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है, जिसमें आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया गया था।

सपा सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ केस दर्ज

गाजीपुर। सपा से गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ बृहस्पतिवार की रात शादियाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। यह मुकदमा जिला सहकारी बैंक गाजीपुर के पूर्व अध्यक्ष देव प्रकाश सिंह ने दर्ज कराया है। आरोप है कि सांसद ने अपने पद की गरिमा के विरुद्ध जाते हुए टिप्पणी की, जिससे सनातन हिन्दू धर्म की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके पूर्व भी सनातन हिन्दू धर्म के साधू संतों के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी की गई थी। बता दें कि सपा सांसद अफजाल अंसारी ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने वालों को लेकर बयान दे डाला था। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि मान्यता है कि संगम तट पर नहाकर व्यक्ति का पाप धुल जाएगा। बैकुंठ में जाने का रास्ता खुल जाएगा और भीड़ देखने से ऐसा लग रहा है कि अब नर्क में कोई नहीं बचेगा और स्वर्ग में हाउसफुल हो जाएगा।

मोदी और ट्रंप भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 साल पहले दोनों देशों के बीच हुए ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के तहत भारत में अमेरिकी डिजाइन वाले परमाणु रिएक्टरों के निर्माण को सुविधाजनक बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में बृहस्पतिवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को ट्रंप और मोदी ने अपनी बातचीत में ऊर्जा सहयोग को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ाने का फैसला किया।

असैन्य परमाणु समझौते ने अमेरिका के साथ भारत के समग्र जुड़ाव को बदल दिया और इसने विशेष रूप से उच्च प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी का संबंध बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया। दोनों नेताओं के संयुक्त बयान के अनुसार, ''ट्रंप और मोदी ने बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण और संभावित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से भारत में अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए परमाणु रिएक्टरों के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की योजनाओं के साथ आगे बढ़ते हुए अमेरिका-भारत 123 असैन्य परमाणु समझौते को पूरी तरह से साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की।''

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करते हुए भारत के परमाणु दायित्व कानून के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन की योजना की घोषणा की। भारत के परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 के कुछ खंड असैन्य परमाणु समझौते के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने में बाधक बनकर उभरे हैं। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने संसद में बजट सत्र के दौरान परमाणु रिएक्टरों के सदंर्भ में परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) में संशोधन करने की भारत सरकार की हालिया घोषणा का स्वागत किया।

बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने सीएलएनडीए के अनुसार द्विपक्षीय व्यवस्था स्थापित करने का निर्णय लिया है, जो नागरिक दायित्व के मुद्दे को संबोधित करेगा और परमाणु रिएक्टरों के उत्पादन और स्थापना में भारतीय एवं अमेरिकी उद्योग के सहयोग को सुविधाजनक बनाएगा। वर्ष 1962 का परमाणु ऊर्जा अधिनियम, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में निजी क्षेत्र द्वारा निवेश को प्रतिबंधित करता है। प्रस्तावित संशोधन से इस प्रावधान को हटाने की उम्मीद है।

अमेरिका ने जनवरी में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क), इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) और इंडियन रेअर अर्थ्स (आईआरई) पर प्रतिबंध हटा दिए। इस कदम को अमेरिका द्वारा भारत के साथ असैन्य परमाणु सहयोग पर आगे बढ़ने के इरादे के रूप में देखा गया। भारत और अमेरिका ने जुलाई 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के साथ बैठक के बाद असैन्य परमाणु ऊर्जा में सहयोग करने की महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की। ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते को अंतत: कई वार्ताओं के बाद लगभग तीन साल बाद बंद कर दिया गया। इस समझौते से अमेरिका को भारत के साथ असैन्य परमाणु प्रौद्योगिकी साझा करने की अनुमति देने का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद थी।

हालांकि, भारत में सख्त दायित्व कानूनों सहित कई कारणों से अपेक्षाकृत सहयोग आगे नहीं बढ़ सका। जनरल इलेक्ट्रिक और वेस्टिंगहाउस जैसे अमेरिकी परमाणु रिएक्टर निर्माताओं ने भारत में परमाणु रिएक्टर स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई थी। पिछले कुछ वर्षों में भारत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) में सहयोग के लिए अमेरिका और फ्रांस सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

पीएम मोदी ने ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन नारे के साथ जोड़ा MIGA

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत के विकसित भारत विजन को अमेरिका के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (MAGA) नारे से जोड़ते हुए मेक इंडिया ग्रेट अगेन (MIGA) शब्द की शुरुआत की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका ने दोनों देशों की समृद्धि के लिए मेगा साझेदारी बनाई है। उन्होंने पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर MAGA के बारे में बात करते हैं। भारत में हम विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसका अमेरिकी संदर्भ में मतलब MIGA है। भारत और अमेरिका के पास समृद्धि के लिए एक मेगा साझेदारी है!

इस अवसर पर, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का गंभीर लक्ष्य निर्धारित किया। पीएम मोदी ने कहा, आज, हमने अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है, जो 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच जाएगा। हमारी टीमें जल्द ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर काम करेंगी। दोनों नेताओं द्वारा ऊर्जा और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर प्रकाश डाला जाएगा।

पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ तेल और गैस वार्ता के बारे में बात की, क्योंकि यह भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में निवेश से संबंधित है। उन्होंने परमाणु ऊर्जा सहयोग, विशेष रूप से छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। आने वाले दिनों में, नई तकनीक और उपकरण हमारी क्षमता को बढ़ाएँगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुष्टि की कि आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों द्वारा एक समग्र व्यापार समझौते पर बातचीत की जा रही है। उन्होंने कहा, हम आने वाले दिनों में एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

पीएम मोदी के सामने भारत-चीन सीमा विवाद पर भी बोले ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को सुलझाने में मदद की पेशकश की है। लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि वह अपने पड़ोसी देशों के साथ किसी भी मुद्दे को द्विपक्षीय तरीके से ही सुलझाएगा। दरअसल, व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मैं भारत को देखता हूं, वहां सीमा पर झड़पें हो रही हैं, जो काफी हिंसक हैं। अगर मैं किसी भी तरह से मदद कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी, क्योंकि इसे रोका जाना चाहिए।

इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और चीन के रिश्तों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध होंगे। मेरी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अच्छी बनती थी, जब तक कि कोविड नहीं आया... चीन दुनिया में एक बहुत महत्वपूर्ण देश है।

भारत की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस पेशकश को विनम्रता से ठुकरा दिया। इस पर बोलते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया कि भारत अपने सभी मुद्दों को सीधे बातचीत के जरिए हल करता है। उन्होंने कहा, हमारे पड़ोसी देशों के साथ जो भी मुद्दे हैं, उन्हें हल करने के लिए हमने हमेशा द्विपक्षीय तरीका अपनाया है।

क्या है भारत-चीन सीमा विवाद?

बता दें कि, भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। साल 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। हालांकि, कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बावजूद यह विवाद पूरी तरह सुलझ नहीं पाया है। भारत हमेशा से इस विवाद को बातचीत के जरिए हल करने का पक्षधर रहा है और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता।

पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात को शशि थरूर ने बताया उत्साहजनक

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रेस बयान उत्साहजनक रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सबसे बड़ी चिंताओं का समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ पर गंभीर बातचीत हुई है और बातचीत इस साल के अंत में समाप्त हो जाएगी। थरूर ने कहा कि जिस तरह से अवैध प्रवासियों को वापस भेजा गया वह गलत है, लेकिन ट्रंप का कदम सही है। शशि थरूर ने कहा कि व्यापार और टैरिफ के सवाल पर, उन्होंने एक साथ बैठने और एक गंभीर बातचीत करने का फैसला किया है जो सितंबर-अक्टूबर तक समाप्त हो जाएगी। अवैध आप्रवासन मुद्दे पर, केवल एक चीज गायब थी जिस तरह से उन्हें वापस भेजा गया था। अन्यथा उनका पक्ष बिल्कुल सही था। ये गुमराह युवा हैं जिन्हें अवैध रूप से प्रवास करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया गया है। थरूर ने दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों पर आगे बात करते हुए एफ-35 विमान बेचने की अमेरिका की प्रतिबद्धता को मूल्यवान बताया। थरूर ने कहा कि रक्षा के मोर्चे पर, हमें एफ-35 स्टील्थ विमान बेचने की प्रतिबद्धता बहुत मूल्यवान है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक विमान है। मैं अब तक प्राप्त विवरणों से बहुत उत्साहित हूं और मैं प्रधान मंत्री और उनकी टीम के वापस आने पर और अधिक विवरणों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। जिस तरह से प्रवासियों को वापस भेजा गया था, उस आश्वासन को छोड़कर, हमें वह सब कुछ मिला है जिसकी हम उम्मीद कर सकते थे।

खेल
प्रमुख समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी की बंपर प्राइज मनी का हुआ ऐलान

नईदिल्ली। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। 8 टीमों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को 2.24 मिलियन यूएस डॉलर यानी करीब 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर मिलेंगे। वहीं उपविजेता टीम भी मालामाल होगी। इसके अलावा सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को भी मोटी रकम मिलने वाली है। इसके साथ-साथ टूर्नामेंट का हर एक मैच जीतने पर भी टीमों को आईसीसी से इनाम मिलेगा। 2017 के मुकाबले इस बार ज्यादा रकम आईसीसी ने इनाम के तौर पर देने का फैसला किया है।

आईसीसी ने जानकारी दी है कि 2017 के बाद पहली बार आईसीसी मेंस चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी से आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के विजेता को 2.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। साथ ही 9 मार्च को वे ट्रॉफी भी उठाएंगे। उपविजेता को 1.12 मिलियन डॉलर यानी करीब 10 करोड़ रुपये मिलेंगे। जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली दो टीमों को क्रमशः 5 लाख 60 हजार यूएस डॉलर मिलेंगे। ये रकम भारतीय रुपयों में करीब 5 करोड़ रुपये होती है।

कुल पुरस्कार राशि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 6.9 मिलियन यूएस डॉलर है, जो 2017 के सीजन के मुकाबले 53 प्रतिशत अधिक है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में हर मैच मायने रखता है और प्रत्येक रुप मैच की जीतने वाली टीम को 34 हजार डॉलर अलग से मिलेंगे। वहीं, पांचवें या छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को साढ़े 3 लाख डॉलर मिलने वाले हैं। इसके अलावा सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 1 लाख 40 हजार डॉलर अतिरिक्त मिलेंगे। इतने ही नहीं, आईसीसी ने सबी आठ टीमों को आईसीसी मेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 1 लाख 25 डॉलर अलग से प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए मिलने वाले हैं। इस तरह टीमों को अच्छी खासी रकम इस बार के टूर्नामेंट में मिलने वाली है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 200 अंक टूटा निफ्टी 22,929 पर बंद

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार (14 फरवरी) को लगातार आठवें ट्रेडिंग सेशन में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी प्रेजिडेंट डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर सख्त रुख के चलते बाजार एक बार फिर गिरावट में बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 214.88 अंक या 0.28 प्रतिशत बढ़कर 76,353.85 पर ओपन हुआ। हालांकि, इंडेक्स बाद में लाल निशान में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स कुछ रिकवरी करते हुए 199.76 या 0.26% गिरकर 75,939.21 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूत शुरुआत के बाद फिसल गया। अंत में यह 102.15 अंक या 0.44% की गिरावट लेकर 22,929.25 पर क्लोज हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले आठ ट्रेडिंग सेशन से जारी गिरावट की वजह से निवेशकों को 28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

जनवरी में थोक महंगाई दर घटकर 2.31% पर आई

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं विशेषकर सब्जियों की कीमतों में गिरावट के कारण जनवरी में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति कम होकर 2.31 प्रतिशत पर आ गई। । वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। दिसंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 2.37 प्रतिशत थी। जनवरी 2024 में यह 0.33 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 5.88 प्रतिशत रह गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 8.47 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति उल्लेखनीय रूप से घटकर 8.35 प्रतिशत रह गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 28.65 प्रतिशत थी। आलू की मुद्रास्फीति 74.28 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही, तथा प्याज की मुद्रास्फीति जनवरी में बढ़कर 28.33 प्रतिशत हो गई।

19 फरवरी को लॉन्च होगा एप्पल का नया प्रोडक्ट : कुक

नईदिल्ली। एप्पल ने 19 फरवरी को अपने नए प्रोडक्ट लॉन्च की पुष्टि कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि इस इवेंट में आईफोन एसई4 को पेश किया जाएगा। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर इसे परिवार का नया सदस्य बताया है। इस लॉन्च इवेंट में किसी इन-पर्सन इवेंट की संभावना कम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह लॉन्च पिछले साल के आईपैड प्रो अनाउंसमेंट की तरह वीडियो रिलीज के जरिए हो सकता है। आईफोन एसई4 की लॉन्च डेट को लेकर पहले इसी हफ्ते रिपोर्ट आई थी, और अब यह अनुमानित टाइमलाइन से मेल खाती है। Bloomberg के मार्क गुरमन ने भी एक्स पर पोस्ट कर अंदाजा लगाया है कि नया प्रोडक्ट एक न्यू लो-एंड आईफोन हो सकता है। एप्पल का अगला आईफोन एसई4 बड़े बदलावों के साथ आने वाला है।

क्वालिटी पावर का आईपीओ सब्सक्राइब के लिए खुला

नईदिल्ली। एनर्जी ट्रांजिशन इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए शुक्रवार (14 फरवरी) को खुल गया। कंपनी ने अपने के जरिए 858.70 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। क्वालिटी पावर ने 13 फरवरी, 2025 को बोली समाप्त होने के साथ एंकर निवेशकों से पहले ही 386.41 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कंपनी के आईपीओ में 52,94,118 इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल शामिल है। इसमें प्रमोटर चित्रा पांडियन ने कंपनी के 14,910,500 इक्विटी शेयर बेच रही हैं। क्वालिटी पावर के आईपीओ का प्राइस बैंड 401-425 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसके एक लॉट में 26 शेयर हैं। निवेशक मिनिमम 26 शेयर या इसके मल्टिपल में अप्लाई कर सकते हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कड़ा है मुकाबला, भारत की साख दांव पर

आदर्श प्रकाश सिंह

क्रिकेट की दुनिया में एक बार फिर से चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी हो गई है। इसी महीने की 19 तारीख से इसका शुभारंभ पाकिस्तान की धरती से हो रहा है। इसे मिनी विश्व कप भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में आईसीसी वनडे रैंकिंग की आठ टीमें भाग लेती हैं। आईसीसी ने उन देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए चैम्पियंस ट्राफी की शुरुआत की जहां टेस्ट मैच नहीं खेले जाते हैं। इसीलिए पहली चैम्पियंस ट्रॉफी 1998 में बांग्लादेश में खेली गई। इसके बाद इसका आयोजन 2002 में कीनिया में हुआ। 2013 में भारत इसका विजेता रहा है। पहले यह हर दो साल पर खेली जाती थी। इस बार 50 ओवरों के फार्मेट में इसके मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इस नाते भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान की दलील थी कि जब उसकी टीम विश्व कप खेलने भारत जा सकती है तो भारत की टीम को भी पाकिस्तान आना चाहिए। पिछले साल यह मामला काफी चर्चा में रहा कि भारत सरकार क्या रवैया अपनाएगी, अपनी टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति मिलेगी या नहीं? आखिरकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच यह तय हुआ कि भारत अपने मैच किसी तटस्थ देश में खेलेगा। इसके लिए संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई को चुना गया जहां पहले भी भारत खेल चुका है। अब अगर भारत फाइनल या सेमी फाइनल में पहुंचता है तो भी वह अपने मैच दुबई में ही खेलेगा। हम सब जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास है। इसके चलते द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय

प्रतियोगिताओं में इसके लिए हाइब्रिड माडल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी दोनों देश तटस्थ स्थान पर खेल रहे हैं। दो साल पहले एशिया कप भी इसी आधार पर खेला गया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले और प्रतियोगिता में विजय भी पाई।

पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून- 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके। उसके बाद यह प्रतियोगिता काफी दिनों तक स्थगित रही। अब 2025 में इसकी वापसी हो रही है। विश्व की आठ प्रमुख टीमें इसके लिए मैदान में उतरेंगी। भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा।

विश्व कप-2023 में मिली पराजय को भारत भूला नहीं है। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए थे। इसके बाद एकदिवसीय प्रारूप में खेली जाने वाली यह पहली स्पर्धा होगी। भारत पिछले जख्म का बदला लेना अवश्य चाहेगा। इस नाते हम कह सकते हैं कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है। इंग्लैंड के साथ मौजूदा सीरीज में हमारा प्रदर्शन बढ़िया रहा है। भारत टी-20 सीरीज 4-1 से जीत गया है और वनडे सीरीज में भी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर में वनडे सीरीज का पहला और कटक में रविवार को हुआ दूसरा मैच भारत ने चार विकेट से जीत लिया है। इससे चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अच्छा अभ्यास हो गया है। भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है जो सीमित ओवरों के मैच में सफल खिलाड़ी रहे हैं। मगर, पिछले कुछ महीनों से उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में रोहित बुरी तरह नाकाम रहे। हालत यह थी कि आखिरी टेस्ट में उन्हें बाहर बैठना पड़ा। भारत में यह पहली बार हुआ जब खराब प्रदर्शन के कारण कप्तान को ही मैच में नहीं उतारा गया। उनके कॅरियर पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं। पर, उनका कहना है कि मैं अभी संन्यास नहीं लूंगा। नागपुर वनडे में रोहित का बल्ला नहीं चला। वह दो रन बना कर आउट हो गए। लेकिन कटक में 119 रनों की पारी खेल कर उन्होंने फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं।

समाज की प्रगति के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण: सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खड़िया अनुसूचित जनजाति उत्थान समिति के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने समाज के सभी प्रबुद्धजनों और युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और अगली पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज की वास्तविक प्रगति तब होगी जब शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक एकता को समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयां देखने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और एकता से ही समाज, राज्य और देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने खड़िया समाज के ऐतिहासिक सफर की चर्चा करते हुए 2011 में समाज को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय को याद किया और इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत में माता सरस्वती और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद तेलंगा खड़िया के छायाचित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विधायक एवं सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष गोमती साय, पूर्व विधायक भरत साय, और समाज के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मात्र 13 महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को जमीन पर उतार दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख परिवारों को लाभान्वित करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की दर ?3,100 प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जिससे पिछले दो खरीफ सीजन में किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान बेचने का लाभ मिला है। इस वर्ष प्रदेश में 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने वनवासी समाज के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर को ?4,000 से बढ़ाकर ?5,500 प्रति मानक बोरा कर दिया गया है, जिससे लाखों संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

इसके अलावा 70 लाख माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह ?1,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है।भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्रत्येक वर्ष ?10,000 की सहायता राशि दी जा रही है, जिससे समाज के सबसे जरूरतमंद वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज की शिक्षा और समग्र विकास के लिए पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यूपीएससी की तैयारी कर रहे जनजातीय युवाओं को अधिक अवसर देने के लिए दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।

इसके अलावा, बच्चों की उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य में 341 विद्यालयों को पीएमश्री योजना के अंतर्गत सम्मिलित किया जा रहा है, ताकि वे निजी स्कूलों के समान सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

विधायक गोमती साय ने कहा कि जो समाज शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक एकता पर बल देता है, वही उन्नति करता है। उन्होंने जनजातीय समाज के लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया, जिससे हर वर्ग का समग्र विकास संभव हो सके। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने जनजातीय समाज की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर खड़िया समाज के प्रदेश अध्यक्ष मदन नायक, जिला संरक्षक बोध साय मांझी, जिला महामंत्री कृपाल मांझी, जिला उपाध्यक्ष रामसागर सोरेंग और बाल कुमार प्रधान सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन उपस्थित थे।

बालिका खिलाड़ियों ने मल्लखंब में जीता कांस्य पदक

रायपुर। उत्तराखंड में आयोजित 38वीं नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ की बालिका खिलाडि़यों ने मल्लखंब के टीम चौंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल कर राज्य का मान बढ़ाया है। यह आयोजन भारतीय ओलंपिक संघ, स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री ऑफ इंडिया, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें पूरे भारत के उच्च स्तर के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।

मल्लखंब खेल का आयोजन उधम सिंह नगर जिले के खटीमा क्षेत्र वन चेतना स्टेडियम में संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ की बालिका खिलाडि़यों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से कांस्य पदक हासिल किया और राज्य का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि राज्य की महिला खिलाडि़यों में कितनी प्रतिभा और संघर्ष क्षमता है।छत्तीसगढ़ की विजेता टीम में शामिल खिलाड़ी नारायणपुर से संताय पोटाई, ओरछा से सरिता पोयाम, कुंदला से दुर्गेश्वरी कुमेटी, रेमावंड से अनिता गोटा, मातला से मोनिका पोटाई और जांजगीर चांपा से शिक्षा दिनकर ने कांस्य पदक हासिल किया। टीम के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद, प्रेमचंद शुक्ला, एवं प्रबंधक शांति साहू उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद रायपुर जिला एवं छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन विजय बघेल ने बधाई दी है।

नगरीय निकाय चुनाव 2025: 104 टेबल में होगी मतों की गिनती

पहले डाक मतपत्र फिर खुलेंगे ईवीएम, एसएसपी समेत आलाधिकारीयों ने किया स्ट्रांग रूम निरीक्षण

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव 2025 के तहत रायपुर नगर निगम में हुए मतदान की मतगणना 15 फरवरी को होगी. सुबह 9 बजे से सेजबहार स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में डाकमत पत्रों की गिनती शुरू होगी, इसके बाद साढ़े 9 बजे से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतगणना की जाएगी. मतगणना प्रक्रिया के लिए कुल 104 टेबल लगाए गए हैं, वहीं पोस्टल बैलेट की गणना के लिए 10 टेबल निर्धारित किए गए हैं. वहीं मतगणना केंद्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है. सीसीटीवी कैमरे के जरिए पूरे मतगणना स्थल की निगरानी की जाएगी. छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जानकारी दी कि मतगणना प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ होगी. स्ट्रांग रूम का सील राजनीतिक दलों की उपस्थिति में खोला जाएगा. प्रत्याशी और उनके एजेंट ही मतगणना केंद्रों में प्रवेश कर सकेंगे, आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा. निर्वाचन की किसी प्रक्रिया में विधिक प्रावधानों और राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन के लिए निर्देश दिया गया है।

गणना सबसे पहले महापौर अध्यक्ष पद के लिए और उसके बाद क्रमशः वार्डवार की जाएगी. जिस पद वार्ड के मतपत्र खोले जा रहे हों उसके अभ्यर्थियों या अभिकर्ताओं की उपस्थिति में सारी कार्रवाई होगी. सभी मतदान केंद्रों की मतगणना एक ही टेबल पर होगी. मतदान केंद्रों की संख्या अधिक होने पर आयोग की अनुमति से अधिकतम दो टेबल लगाये जा सकते हैं. एक-एक कर मतदान केंद्रवार ही मतगणना होगी न कि सभी मशीनें एक साथ गणना में शामिल कर ली जाएगी. किसी मतदान केंद्र पर मतदान के दौरान मशीन बदली गयी हो तो उस केंद्र की सभी मशीनें एक ही चक्र में गिनी जाएगी.

सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की : सौरभ सिंह

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक सौरभ सिंह ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने की दिशा में अपने महज 13 माह के कार्यकाल में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की है,

जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा सरकार के प्रति अटूट विश्वास का वातावरण बना है।

भाजपा पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख आवासों को स्वीकृति दी गई। 18 लाख गरीब परिवारों को पक्के आवास देने की मोदी की गारंटी के पालन में वित्तीय वर्ष 2024-25 में पीडब्ल्यूएल सूची से बचे हुए सभी 6,99,331 का लक्ष्य और आवास प्लस से कुल सूचीबद्ध 8,19,999 में से 1,47,600 का लक्ष्य, कुल लक्ष्य 8,46,931 आवासों की स्वीकृति प्राप्त हुई। इस वर्ष केन्द्र द्वारा 17 राज्यों को दिए गए लक्ष्य में से छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। श्री सिंह ने बताया कि कुल 8,46,931 प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध 6,99,972 स्वीकृत आवासों में से 1.80 लाख आवास पूर्ण हो चुके हैं। गृह पोर्टल से योजना की निगरानी और क्रियान्वयन को पारदर्शी बनाया गया है। निर्माण सामग्रियों, राज मिस्त्रियों, और दुर्गम क्षेत्रों की पहचान सुनिश्चित की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत लक्ष्य 47,090 के विरुद्ध 38,595 आवास स्वीकृत किए गए हैं।भाजपा पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में तो उनके तत्कालीन पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने इस्तीफा दे दिया था क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इन आवासों के लिए राशि जारी नहीं की। इस कारण पाँच वर्ष तक लोग होली-दीपावली-दशहरा खुली छत के नीचे मनाने को मजबूर हुए।

संस्कार सेना ने मनाया मातृ-पितृ पूजन दिवस...

रायपुर। संस्कार सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण यदु के नेतृत्व में 14 फरवरी शुक्रवार को दो स्कूलों माता-पिता पूजन दिवस मनाया गया और सम्मान किया।

संस्कार सेना के राष्ट्रीय आव्हान पर आज राजधानी रायपुर के फाफाडीह स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम उत्कृष्ट विद्यालय और पेंशन बाड़ा के होली रोज स्कूल में माता-पिता पूजन दिवस मनाया गया। इस दौरान दोनों स्कूलों में मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर वंदन किया गया और बच्चों के अभिभावक माता-पिता का बच्चों के द्वारा तिलक चंदन व आरती उतार कर पूजा अर्चना किया गया। संस्कार सेना द्वारा स्कूल में श्रीफल और प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। आज 14 फरवरी के दिन माता-पिता दिवस मनाया गया इससे बच्चों के अभिभावक बेहद खुश हुए और कहा कि इस प्रकार संस्कार सेना द्वारा यह आयोजन किया गया है इससे बच्चों को बड़ी प्रेरणा मिलती है। बच्चों के अभिभावकों ने यह कहा कि बच्चों को अभी से इस प्रकार की संस्कार मिलने से वह घर में भी संस्कार सिखेंगे और सभी का आदर सत्कार व सम्मान करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती राजी मैथ्यूज

ने बच्चों को मोटिवेशनल करते हुए कहा कि छोटे बच्चे मिट्टी के सांचे की तरह होते हैं और उन्हें अच्छे संस्कार देने से वह ग्रहण करते हैं। इसलिए छोटे बच्चों को पौधे के समान खींचकर उन्हें अच्छा संस्कार व संस्कारी बनाने का कार्य करना चाहिए।

वहीं कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए संस्कार सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण यदु ने कहा की बच्चों को संस्कार व शिक्षा के लिए घर से ही शुरुआत करना चाहिए। बच्चे अपने माता-पिता के प्रति सम्मान व पूजा पाठ घर में रोज ही करना चाहिए और स्कूल में अपने शिक्षकों का सम्मान कर उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए। होली रोज सकूल प्रिंसिपल कंचन बाला बर्मन द्वारा भी उनके स्कूल में माता-पिता दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा माता-पिता का आरती उतार कर चंदन तिलक लगाकर उनका सम्मान किया गया। वही इन दोनों स्कूलों में संस्कार सेवा द्वारा 60 से अधिक माता-पिता को श्रीफल व प्रमाण पत्र देकर उन माता-पिता और बच्चों को सम्मान किया गया और उन्हें हृदय से धन्यवाद दिया कि इस मातृ पितृ दिवस के अवसर पर अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस पूरे कार्यक्रम में संस्कार सेवा के जिला अध्यक्ष अश्विन प्रभाकर, कार्यकारी सदस्य जिला रायपुर राधिका यादव प्रमुख रूप से शामिल हुए।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

सीबीएसई की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आज से

रायपुर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं कल 15 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इस साल बोर्ड परीक्षा में देशभर से 44 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। परीक्षा को लेकर छात्रों के लिए

महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से 18 मार्च तक होगी, वही सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से 4 अप्रैल तक होगी। परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक, कुछ विषयों की परीक्षा 12:30 बजे तक होगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने से 15 मिनट पहले प्रश्न पत्र पढने का समय दिया जाएगा। सुबह 10 बजे के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

रेगुलर छात्र अपने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म में परीक्षा देने आएंगे। वही प्राइवेट छात्र हल्के या उजले रंग के कपड़े पहनकर परीक्षा में शामिल होंगे। बिना एडमिट कार्ड के परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। रेगुलर छात्रों को अपने स्कूल का आईकार्ड और प्राइवेट छात्रों को कोई भी सरकारी फोटो पहचान पत्र साथ लाना होगा।

निकाय चुनाव में भाजपा ने शराब, पैसा बांटा: शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि नगरीय निकाय चुनाव संपन्न हुए तीन दिन हो गये है। चुनाव में पूरे प्रदेश में

भाजपा के खिलाफ माहौल था। अपनी संभावित हार को भांप कर चुनाव के दौरान भाजपा के नेता पूरे प्रदेश में शराब, पैसा बांट कर जनमत को प्रभावित करने में लगे थे। ऐसा ही एक उदाहरण नगर पालिका पंडरिया में देखने को मिला, जहां पर विधायक भावना बोहरा के संरक्षण में मतदान प्रभावित करने के लिए पिकअप वाहन में भरकर सैकड़ों की संख्या में पानी के जार (टंकी) जिसके अंदर पानी न होकर नगदी था। साथ ही रूपयों से भरा 200 नग लिफाफा, हाट-पाट शराब की बोतलें लोगों में बांटने के लिए ले जाया जा रहा था, जिसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीछा कर पकड़ा। पुलिस के द्वारा सारी सामाग्री के साथ पिकअप को पकड़कर थाने ले जाया गया। जहां सामान को जप्त करने के बाद भी छोड़ा गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान विधायक भावना बोहरा कांग्रेसियों को धमका रही थी, उनके पीएसओ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमका रहे थे। सारा घटनाक्रम पंडरिया थाने के सीसीटीवी में भी कैद है। यही नहीं वहां उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ता ललित देवांगन के साथ थाना परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मारपीट किया।

सुरक्षित छत्तीसगढ़ की दिशा में आगे बढ़ रहा है : केदारनाथ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने राजधानी में अभी हाल ही हुई डकैती की वारदात में संलिप्त 10 आरोपियों की महज कुछ ही घंटों में हुई गिरफ्तारी और डकैती में

लूटे गए 60 लाख रुपए में से 59.50 लाख रुपयों की बरामदगी के लिए प्रदेश पुलिस प्रशासन की कर्त्तव्य-निष्ठा की सराहना की है। श्री गुप्ता ने कहा कि अपराधों पर अंकुश और अपराधियों को जेल, यही तत्परता तो भाजपा के %विष्णु का सुशासन% का परिचायक है। प्रदेश में अब कानून-व्यवस्था का राज कायम करके अपराधियों में कानून का खौफ पैदा हुआ है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि यदि शासक और सेवक की नीति और नीयत साफ होती है तो निश्चित रूप से भ्रष्टाचारी और अपराधी जेल की सलाखों के पीछे जाते हैं, अभी रायपुर में हुई 60 लाख रुपए की डकैती के आरोपियों की गिरफ्तारी यह प्रमाणित किया है। बुजुर्ग भाई-बहन साथ रहते थे, जो मेहनत की कमाई की जमीन को बेचकर पैसे घर ले आए और डकैतों ने डकैती डालकर वह रकम लूट ली। परंतु कानून के लम्बे हाथों से ये डकैत बच नहीं पाए और महज कुछ घंटों की रणनीतिक तैयारी करके प्रदेश की पुलिस ने अपराधियों को सींखचों के पीछे पहुँचा दिया।

3 व 4 मई को होंगे चेंबर का चुनाव : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव निर्वाचन समिति द्वारा चेंबर चुनाव के लिए देवेन्द्र नगर सेक्टर 4 रायपुर स्थित

श्री गुजराती स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल भवन का निरीक्षण कर मतदान केंद्र के रूप में चयन किया गया है। 3 मई 2025, दिन शनिवार को श्री गुजराती स्कूल में होने वाले मतदान में महासमुंद, गरियाबंद, बलोदाबाजार-भाटापारा, बेमेतरा जिले सहित रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र (अभनपुर, आरंग, बूढ़ेरा, धरसीवा, गोबरा नवापारा, केसला, खरोरा, कोसरंगी, मांडर, मंदिर हसौद, नवापारा, नया रायपुर, नेवरा, सारागांव,सिलतरा, तिल्दा, तिल्दा-नेवरा,) एवं मध्यप्रदेश के बालाघाट, राजगढ़ और शहडोल जिले के कुल 2647 मतदाता मतदान करेंगे।4 मई 2025, दिन रविवार को श्री गुजराती स्कूल देवेंद्र नगर एवं सरस्वती स्कूल देवेंद्र नगर में रायपुर ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को छोड़कर केवल रायपुर शहर के कुल 11395 मतदाता मतदान करेंगे। इस अवसर पर चेंबर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री शिवराज भंसाली, निर्वाचन अधिकारी रमेश गांधी, संजय जोशी, संजय देशमुख, बालकृष्ण दानी, चेंबर चुनाव कार्यालय प्रभारी एस.एम. रावते जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सुझाव सम्बन्धी ज्ञापन सौंपा

रायपुर। ग्रीवेंसेस रिड्रेसल कमिटी द्वारा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से छत्तीसगढ़ राज्य में नए जीएसटी पंजीकरण में आने वाली कठिनाइयों के संबंध में सुझाव मंगा गया था जिसके सम्बन्ध में कल दिनांक 13 फरवरी 2025 को चेंबर ने पत्र के माध्यम नए जीएसटी पंजीकरण में आने वाली कठिनाइयों के संबंध में ग्रीवेंसेस रिड्रेसल कमिटी को ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय जीएसटी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली संस्थाओं के लिए, पंजीकरण आवेदन कथित तौर पर स्थानीय क्षेत्राधिकार अधिकारियों (सहायक आयुक्त/ उपायुक्त) के बजाय एक केंद्रीकृत प्रसंस्करण सेल को भेजे जाते हैं।आवेदक को अक्सर केंद्रीकृत प्राधिकरण के साथ संवाद करने में कठिनाइयों का अनुभव होता है, क्योंकि स्थानीय जीएसटी कार्यालय सीधे अनुमोदन प्रक्रिया में शामिल नहीं होता है।. इसके विपरीत, राज्य जीएसटी विभाग आम तौर पर स्थानीय क्षेत्राधिकार अधिकारी को पंजीकरण आवंटित करता है, जो किसी भी प्रश्न के तेजी से समाधान और सीधे संचार की अनुमति देता है। की अधिकता और स्थानीय जांच/ज्ञान में कमी के कारण केंद्रीकृत प्रसंस्करण में देरी हो सकती है।आवेदकों को छोटी विसंगतियों को तुरंत स्पष्ट करने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उनके पास केंद्रीय प्रसंस्करण कर्मियों के साथ सीधे संपर्क की कमी होती है।

छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं

रायपुर। संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा बस्तर के बैलाडीला क्षेत्र के लौह अयस्क ब्लॉकों की नीलामी को लेकर आज नवा रायपुर के न्यू सर्किट हाउस स्थित कन्वेंशन हॉल में 'प्री-बिड कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। इस बैठक में देशभर से आए खनन निवेशकों और बोलीदाताओं ने भाग लिया, जहां नीलामी प्रक्रिया, निवेश अवसरों, और खनिज संसाधनों पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित तीन विश्व स्तरीय लौह अयस्क ब्लॉक एवं उत्तर बस्तर कांकेर के एक ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया पर चर्चा की गई। खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए और ई-नीलामी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों के मामले में अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जो उद्योग, व्यापार, और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक विकास का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में छत्तीसगढ़ की भूमिका अहम होगी, क्योंकि यहां उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क के विशाल भंडार उपलब्ध हैं।

उन्होंने बोलीदाताओं को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहायता

प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि बैलाडीला क्षेत्र भारत के इस्पात उद्योग की रीढ़ है और इस क्षेत्र के विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार में व्यापक वृद्धि होगी।

जीएसआई के डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित धारवड़कर ने बताया कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे समृद्ध खनिज संपन्न राज्य है। उन्होंने कहा कि बैलाडीला से दल्लीराजहरा तक फैला लौह अयस्क क्षेत्र विश्व के महत्वपूर्ण लौह अयस्क भंडारों में गिना जाता है, जो भारत के इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म के संचालक सुनील कुमार जैन ने नीलामी प्रक्रिया और लौह अयस्क ब्लॉकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2030 तक देश में स्टील उत्पादन बढ़ाने के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।संयुक्त संचालक एवं नोडल अधिकारी (ऑक्शन) अनुराग दीवान ने कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश के लिए सबसे उपयुक्त राज्यों में से एक है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

नीलामी प्रक्रिया के तहत 27 फरवरी 2025 तक दोपहर 3 बजे तक ऑनलाइन टेंडर डॉक्युमेंट खरीदे जा सकते हैं। 28 फरवरी 2025 तक दोपहर 3 बजे तक टेंडर सबमिट करने की अंतिम तिथि है। इच्छुक बोलीदाता नवा रायपुर स्थित संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, इंद्रावती भवन, ब्लॉक-4, द्वितीय तल पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्री-बिड कॉन्फ्रेंस में देशभर के खनन कंपनियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छत्तीसगढ़ के बैलाडीला क्षेत्र में स्थित लौह अयस्क भंडारों की उच्च गुणवत्ता और निवेश के अनुकूल वातावरण को देखते हुए नीलामी प्रक्रिया को लेकर सकारात्मक रुझान देखने को मिला।

28 अस्पतालों का निलंबन तत्काल प्रभाव से लिया जाए वापस

आईएमए और अस्पताल बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय

रायपुर। राज्य स्तर पर आई. एम.ए. और अस्पताल बोर्ड की बैठक मेडिकल कॉलेज रायपुर में गुरुवार को हुई जिसमें पूरे प्रदेश के चिकित्सक शामिल हुए और 30 वर्षों के इतिहास में इतनी उपस्थिति कभी नहीं रही। बैठक में 3 बिंदुओं पर आम सहमति बनी जिसमें शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य योजना से निलंबित किए गये सभी 28 अस्पतालों के निलंबन को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए, आयुष्मान

योजना (छग) का भुगतान समयबद्ध हो और जो दरे आयुष्मान योजना में निर्धारित की गई है वह पूरे भारत में सबसे कम है। इसे पूर्णनिरक्षित कर बढ़ाया जाए और कम से काम राष्ट्रीय पीएमजेवॉय योजना की दरे लागू की जाए। इसके निराकरण के लिए चिकित्सकों ने 10 दिनों का समय दिया है अन्यथा चिकित्सक आंदोलन के लिए बाध्य होगे। बैठक में डॉ अनूप वर्मा प्रेसीडेंट इलेक्ट, डॉ. राकेश गुप्ता पूर्व अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड, डॉ. विमल चोपड़ा संयोजक चिकित्मा प्रकोष्ठ. डॉ. सुरेन्द्र शुक्ला अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड, डॉ. कुलदीप सोलंकी अध्यक्ष आई.एम.ए. रायपुर, डॉ. अखिलेश दुबे अध्यक्ष हॉस्पिटल बोर्ड रायपुर व पूरे प्रदेश से आये चिकित्सकों ने अपने विचार रखे। बैठक में यह बात भी सामने आयी कि छापेमार कार्यवाही के दौरान अस्पतालों का पक्ष सुना ही नहीं गया और जो कमियां पायी गई उसके बारे में भी न बताते हुए सीधे कार्यवाही कर दी गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.